सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 207 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 11 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

मदर्स डे पर रायपुर महिला जेल में वीडियो कॉलिंग सुविधा शुरू, महिला बंदी कर सकेंगी अपनों से बात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आज मदर्स डे के ममतामयी अवसर पर रायपुर की महिला जेल में बंदिनियों के लिए खुशियों की एक नई किरण जगी है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा की घोषणा के अनुरूप, जेल प्रशासन ने महिला बंदिनियों को प्रिजन इनमेट वीडियो कॉलिंग सिस्टम का बहुप्रतीक्षित तोहफा दिया है।

वीडियो कॉलिंग की सुविधा जेल विभाग और बीएसएनएल के बीच हुए अनुबंध के तहत शुरू की गई है। दोनों के सहयोग से इस सिस्टम को स्थापित किया गया है। इस सुविधा के शुरू होने से अब महिला बंदी अपने परिजनों और अधिवक्ताओं से सीधे वीडियो कॉल के जरिए संवाद कर सकेंगी, जिससे उनके मानसिक संबल और कानूनी विमर्श में मदद मिलेगी।

शुभारंभ अवसर पर जेल और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से हिमांशु गुप्ता (डीजी, जेल), योगेश सिंह क्षत्री (जेल अधीक्षक), विजय छबलानी , सुश्री गरिमा पांडेय (प्रभारी, महिला जेल) एवं समस्त जेल स्टाफ, संबंधित महिला बंदिनी उपस्थित रहे। यह पहल बंदिनियों को उनके मानवाधिकारों और परिवार से जोड़ने का माध्यम बनेगी और जेल सुधार की दिशा में एक उत्कृष्ट उदाहरण भी पेश करेगी।

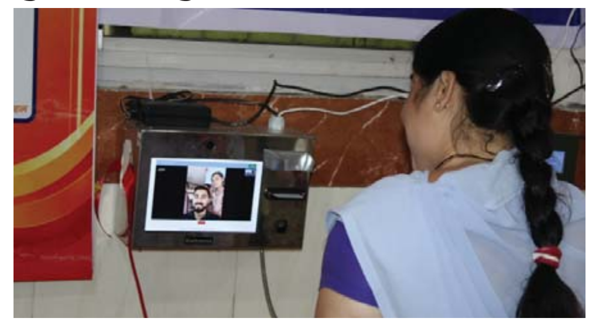

हुनर को मिला सम्मान

निश्चय कार्यक्रम के अंतर्गत कौशल विकास का प्रशिक्षण पूर्ण करने वाली 38 महिला बंदिनियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह उनके पुनर्वास और भविष्य में स्वावलंबन की दिशा में एक बड़ा कदम है। जेल में अपनी माताओं के साथ रह रहे 14 मासूम बच्चों को विभाग की ओर से विशेष उपहार वितरित किए गए, जिससे बच्चों के चेहरे पर खिली मुस्कान खिल गया और जेल परिसर का माहौल उत्सवमय हो गया।

खास-खबर

चलती ट्रेन में चढ़ते समय फिसला यात्री, आरपीएफ जवान ने बचाई जान

दुर्ग। दुर्ग रेलवे स्टेशन पर एक बड़ा हादसा टल गया। बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस में चढ़ते समय एक यात्री चलती ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंस गया। यह घटना प्लेटफॉर्म चार पर हुई, जब बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस रवाना हो रही थी। एक यात्री जल्दबाजी में चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर रहा था। ट्रेन धीरे-धीरे गति पकड़ रही थी, तभी यात्री का पैर फिसल गया। वह प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच के अंतर में जा फंसा। यात्री खुद को संभाल नहीं पाया और कुछ दूर तक घसीटता रहा। प्लेटफॉर्म पर मौजूद यात्रियों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। आरपीएफ के सहायक उप निरीक्षक निरंजन की नजर तुरंत फंसे हुए यात्री पर पड़ी। उन्होंने बिना देर किए ट्रेन को रुकवाया और तेजी से दौड़कर यात्री को बाहर खींच लिया। उनकी सतर्कता और बहादुरी से एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यात्री को सुरक्षित बाहर निकालकर जिला अस्पताल भेजा गया।

कांकेर आदमखोर तेंदुए की दहशत, नहाते ग्रामीण पर जानलेवा हमला

कांकेर। जिले के सरोना परिक्षेत्र में एक ग्रामीण पर तेंदुए ने हमला कर दिया। कांकेर जिले के बांगाबारी नयापारा गांव निवासी सगराम नेताम रविवार की शाम को अपने खेत के बोर में नहाने गए थे। इसी दौरान अचानक एक तेंदुए ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। अपने ऊपर हुए अचानक हमले में ग्रामीण सगराम ने मदद के लिए जोर से चीख-पुकार की। उनकी आवाज सुनकर पास ही में काम कर रहे अन्य ग्रामीण तुरंत मौके पर आ पहुंचे। ग्रामीणों को अपनी ओर आता देख तेंदुआ मौके से भाग निकला। घायल सगराम को आसपास के लोगों ने तुरंत पास के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। ग्रामीणों ने बताया कि यह पूरा क्षेत्र वन परिक्षेत्र सरोना के अंतर्गत आता है। इस इलाके में वन्यजीवों की आवाजाही सामान्य है। हालांकि, इस तरह का सीधा हमला चिंताजनक है। ग्रामीणों में अब अपने खेतों में काम करने को लेकर डर बैठ गया है।

हिमाचल में बड़ा हादसा: खाई में गिरी कार, छह की मौत और चार घायल

चांबा। हिमाचल प्रदेश के जिला चंबा में भटियात के ककीरा में सोमवार सुबह तीन बजे के करीब पर्यटकों से भरी एक गाड़ी दुर्घटना का शिकार हो गई। हादसे में छह लोगों की मौत हुई है जबकि चार घायल हैं। दुर्घटनाग्रस्त इनोवा क्रिस्टा गाड़ी में गुजरात के टूरिस्ट सवार थे। ये लोग मनाली से डलहौजी घूमने जा रहे थे। हादसे के वक्त क्षेत्र में भारी बारिश हो रही थी। गाड़ी में ड्राइवर समेत कुल 10 लोग सवार थे। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत के चलते मेडिकल कॉलेज टांडा रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन मंडी नंबर की टैक्सी इनोवा क्रिस्टा थी। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। प्रारंभिक जांच में खराब मौसम और सड़क पर फिसलन को हादसे की बड़ी वजह माना जा रहा है। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार सकलानी ने कहा कि पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

ऊर्जा संकट पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देशवासियों से अपील

पेट्रोल-डीजल बचाएं, सोने के गहने न खरीदें

नईदिल्ली। दुनिया इस समय बड़े ऊर्जा संकट और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के दौर से गुजर रही है। कच्चे तेल की सप्लाई को लेकर वैश्विक चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे माहौल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से एक बड़ी और अहम अपील की है। प्रधानमंत्री ने लोगों से पेट्रोल, डीजल और गैस जैसी पेट्रोलियम चीजों का बहुत ही सोच-समझकर इस्तेमाल करने को कहा है। इतना ही नहीं, पीएम मोदी ने लोगों से एक साल तक सोने के नए गहने नहीं खरीदने की भी अपील की है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह समय सिर्फ सरकार का नहीं, बल्कि पूरे देश का इम्तिहान है। उन्होंने साफ कहा कि विदेशी मुद्रा बचाना और देश के संसाधनों की रक्षा करना भी आज के समय में देशभक्ति का एक बड़ा हिस्सा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेशों से आने वाले कच्चे तेल से पूरा करता है। ऐसे में अगर लोग जरूरत से ज्यादा पेट्रोल-डीजल और गैस का इस्तेमाल करेंगे, तो इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच तेल की कीमतों और सप्लाई को लेकर पूरी दुनिया चिंता में है।

पेट्रोलियम उत्पादों का इस्तेमाल संयम के साथ करें

प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी समझे और पेट्रोलियम उत्पादों का इस्तेमाल संयम के साथ करे। उन्होंने भरोसा जताया कि अगर देश के लोग मिलकर ईंधन बचाएंगे, तो भारत पर वैश्विक संकट का असर काफी कम किया जा सकता है।

लोग संकल्प लें कि एक साल नहीं खरीदेंगे सोना

प्रधानमंत्री की अपील का सबसे ज्यादा चर्चा वाला हिस्सा सोने की खरीद को लेकर रहा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत में भारी मात्रा में सोना आयात किया जाता है और इस पर देश की बहुत बड़ी विदेशी मुद्रा खर्च होती है। उन्होंने पुराने समय की याद दिलाते हुए कहा कि युद्ध और संकट के दौर में लोग देशहित में अपना सोना तक दान कर देते थे। हालांकि उन्होंने साफ किया कि सरकार को किसी से सोना दान में नहीं चाहिए, लेकिन देशहित में लोगों को कम से कम एक साल तक सोने के नए गहने खरीदने से बचना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि पारिवारिक कार्यक्रम लोगों को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे एक साल तक सोने की नई खरीदारी नहीं करेंगे।

सस्ती खाद का सही तरीके से इस्तेमाल करें

पीएम ने किसानों से भी अपील की कि वे सरकार की ओर से उपलब्ध कराई जा रही सस्ती खाद का सही इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा कि जो खाद दुनिया में हजारों रुपये में बिक रही है, उसे भारत सरकार किसानों को बेहद कम कीमत पर उपलब्ध करा रही है। इसके साथ ही पीएम मोदी ने यह भी बताया कि सरकार ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर तेजी से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत आज सौर ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया के बड़े देशों में शामिल हो चुका है। पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने का काम तेजी से बढ़ाया जा रहा है, ताकि कच्चे तेल पर निर्भरता कम हो सके। पीएम ने कहा सरकार अब पाइप गैस और सीएनजी जैसी व्यवस्थाओं को बढ़ा रही है।

कोरोना काल के जैसे वर्क फ्रॉम होम मॉडल का जिक्र

पीएम मोदी ने कोरोना काल के दौरान अपनाए गए वर्क फ्रॉम होम मॉडल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो, वहां दोबारा घर से काम करने की व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही उन्होंने लोगों से ऑनलाइन मीटिंग और वीडियो कॉन्संग का ज्यादा इस्तेमाल करने की अपील की, ताकि अनावश्यक यात्रा और ईंधन की खपत कम हो सके। पीएम मोदी का कहना है कि वैश्विक ऊर्जा संकट के बावजूद भारत मजबूती के साथ स्थिति का सामना कर पा रहा है।

नगर निगम भिलाई व रिसाली निगम में नहीं होगा उपचुनाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई और रिसाली में वार्ड पार्षद के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए अब उप चुनाव नहीं होगा। निर्वाचन आयोग ने इन दोनों निकायों के चिन्हित वार्ड के लिए घोषित अपने अपने चुनाव कार्यक्रम को निरस्त कर दिया है। महज 6 महीने के शेष कार्यकाल के लिए उप चुनाव होने के औचित्य पर सवाल खड़े हो रहे थे।

भिलाई नगर निगम के वार्ड क्रमांक 1 जुनवानी सहित रिसाली नगर निगम के वार्ड क्रमांक 2 रुआबांधा उत्तर और वार्ड क्रमांक 39 एनएसपीसीएल पुरैना में पार्षद चुनने घोषित उप चुनाव को छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग ने निरस्त कर दिया है। इसके साथ ही कार्यकाल कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्थानीय निर्वाचन जिला दुर्ग की ओर से तीनों संबंधित वार्ड में लागू आदर्श चुनाव आचार संहिता को शून्य घोषित कर दिया है। दोनों निगम के उपरोक्त तीनों वार्ड के निर्वाचित पार्षदों का निधन हो गया है। जिसके चलते हाल ही में निर्वाचन आयोग की ओर से उप चुनाव

कराने का निर्णय लिया गया था। आज 11 मई से नामांकन प्रक्रिया शुरू होने वाली थी। वहीं 1 जून को मतदान होना था।

गौरतलब रहे कि भिलाई व रिसाली निगम के मौजूदा परिषद का कार्यकाल जनवरी 2027 में खत्म होना है। इसके लिए इन निकायों का आम चुनाव दिसंबर 2026 में होना संभावित है। इस लिहाज से उप चुनाव में चुने गए पार्षदों को काम करने के लिए छह महीने से भी कम समय मिलता। इसे देखते हुए सांसद विजय बघेल के निर्देश पर अधिवक्ता सौरभ चौबे ने निर्वाचन आयोग के समक्ष उप चुनाव को लेकर लिखित में आपत्ति दर्ज कराई थी। फलस्वरूप दोनों निगम के तीन वार्ड के लिए घोषित उप चुनाव को निरस्त कर दिया गया है। वहीं दुर्ग जिले में त्रिस्तरीय पंचायत के रिक्त पदों के लिए घोषित उप चुनाव के कार्यक्रम यथावत रखा गया है।

खुर्सीपार में चला पुलिस का चेकिंग अभियान हिरासत में तीन संदिग्ध, 7 बाइक जब्त

कांबिग गश्त चलाकर की गई संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की व्यापक जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने आज तड़के खुर्सीपार क्षेत्र में विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान करीब पांच सौ मकान और दो सौ के करीब ट्रक ट्रेलर वाहनों की जांच की गई। सुबह 4 बजे से 9 बजे तक संयुक्त पुलिस बल द्वारा चलाए गए इस विशेष चेकिंग अभियान में 7 संदिग्ध मोटर साइकिल जप्त कर 3 संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ किया जा रहा है। लगभग 100 पुलिस जवानों के साथ इस कांबिग गश्त का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मणिशंकर चंद्रा ने किया।

दुर्ग जिले में कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने एवं असामाजिक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु आज 11 मई को सुबह 4 बजे से 9 बजे तक विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत थाना खुर्सीपार क्षेत्र के डॉ. राजेंद्र प्रसाद नगर, शिवाजी नगर, अटल आवास देवार बस्ती, मछली मार्केट एवं ट्रांसपोर्ट नगर में व्यापक स्तर पर चेकिंग एवं सत्यापन कार्यवाही की गई। अभियान में थाना खुर्सीपार, भिलाई-3, जामुल, यातायात पुलिस एवं रक्षित केंद्र दुर्ग के

संयुक्त पुलिस बल द्वारा कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान दुपहिया एवं चारपहिया वाहनों की डिक्की चेकिंग, संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी एवं ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में ड्राइवर एवं क्लीनर के लाइसेंस, वाहन दस्तावेज एवं आधार कार्ड के आधार पर सत्यापन किया गया।

अभियान का नेतृत्व कर रहे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मणिशंकर चंद्रा ने बताया कि कार्यवाही के दौरान 07 संदिग्ध मोटरसाइकिल वाहन जप्त किए गए तथा थाना खुर्सीपार क्षेत्र से 03 संदिग्ध व्यक्तियों को पूछताछ हेतु थाना लाया गया है। जिनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। आम नागरिकों को क्षेत्र में किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने हेतु समझाइश दी गई। इस कार्यवाही में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मणिशंकर चन्द्रा, सीएसपी छावनी यदुमनी सिदार, थाना प्रभारी खुर्सीपार, थाना प्रभारी भिलाई-3, थाना प्रभारी जामुल सहित स्टाफ का योगदान रहा।

सोमनाथ मंदिर के 75 साल, पीएम मोदी ने की पूजा

11 तीर्थों के जल से शिखर का अभिषेक, वायुसेना की सूर्यकिरण टीम ने किया एयर शो

अहमदाबाद ए.। गुजरात के सोमनाथ में आज मंदिर के जीर्णोद्धार के 75 साल पूरे हो रहे हैं। 11 मई 1951 को स्वतंत्र भारत में नए सिरे से बनाए गए सोमनाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। इतिहास के इस बड़े घटनाक्रम का उत्सव मनाने के लिए सोमनाथ अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2किमी का रोड शो करते हुए सोमनाथ मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने

शिवाभिषेक किया। इसके बाद पीएम ने रिमोट के जरिए मंदिर का कुंभाभिषेक किया। वैदिक मंत्रों के बीच 11 तीर्थों के जल से शिखर जल चढ़ाया गया।

पीएम मोदी ने सोमनाथ मंदिर के शिखर का पहली बार जलाभिषेक किया। इसके लिए 11 तीर्थों के जल को एक बड़े कलश में रखा गया था। इस कलश को 90 मीटर लंबी क्रेन के जरिए मंदिर शिखर के ऊपर स्थापित किया गया था। जैसे ही मंदिर में भगवान शिव का अभिषेक पूजन पूरा हुआ और पीएम मोदी ने आरती की। उसी दौरान चेतक हेलिकॉप्टर ने सोमनाथ मंदिर के ऊपर फूलों की पंखुड़ियां बरसाईं। वायुसेना की सूर्यकिरण टीम मंदिर के ऊपर 15 मिनट का एरोबेटिक शो किया। सूर्यकिरण टीम का एयर शो खत्म होने के बाद पीएम मोदी सोमनाथ ट्रस्ट के म्यूजियम में भी गए। यहां मंदिर के पुराने अवशेष भी रखे हैं।

बता दें 2026 सोमनाथ मंदिर के लिए एक और वजह से खास है। दरअसल सन् 1026 में महमूद गजनवी ने मंदिर पर हमला कर इसे ध्वस्त कर दिया था। उस घटना के हजार साल भी पूरे हो गए हैं।

बंगाल में बॉर्डर पर बीएसएफ को मिलेगी जमीन, आयुष्मान भारत की शुरुआत

कोलकाता ए.। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पहली कैबिनेट बैठक की। इस दौरान उन्होंने राज्य में केंद्र की प्रमुख स्वास्थ्य योजना आयुष्मान भारत को लागू करने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने अन्य कई बड़े फैसले लिए हैं।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा, ‘ बंगाल में आयुष्मान भारत योजना शुरू होगी। जन आरोग्य योजना के साथ ही केंद्र की अन्य योजनाएं भी यहां लागू की जाएंगी। संघर्ष के दौरान अपनी जान गंवाने वाले 321 व्यक्तियों के संबंध में कहा कि यदि उनके परिवार चाहें, तो सरकार जांच शुरू करेगी।

इसके साथ ही कहा ‘सीमा सुरक्षा के उद्देश्य से सीमावर्ती क्षेत्रों में भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया आज से शुरू हो रही है। हमारा लक्ष्य इस हस्तांतरण प्रक्रिया को 45 दिनों के भीतर पूरा करना है।’ उन्होंने सरकारी नौकरी के आवेदनों में आयु सीमा में 5 साल की वृद्धि की भी घोषणा की।

शुभेंदु अधिकारी के पीए की हत्या: कोलकाता पुलिस ने यूपी और बिहार से तीन को दबोचा

कोलकाता ए। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में कोलकाता पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से दो आरोपी बक्सर बिहार के रहने वाले हैं।

जबकि, तीसरा आरोपी यूपी के बलिया का रहने वाला है। लेकिन, वर्तमान यह भी बक्सर में ही रहता है।

इनमें से एक आरोपी राज सिंह अयोध्या के नगर कोतवाली क्षेत्र से पकड़ा गया है। हालांकि, इस मामले में जिले की पुलिस कुछ भी बोलने से इनकार कर रही है। इसके अलावा मयंक मिश्रा और विक्की मौर्या को बक्सर से ही गिरफ्तार किया गया है। ये दोनों मूल रूप से बक्सर के ही रहने वाले हैं।

सूत्रों के अनुसार, मूल रूप से बलिया का रहने वाला राज सिंह लखनऊ की तरफसे लखनऊ-गोरखपुर हाईवे से आ रहा था। सुरक्षा एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर कोलकाता पुलिस ने इसे नगर कोतवाली क्षेत्र की सीमा में हाईवे से ही गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, अभी तक इसके संबंध में ठोस साक्ष्य सामने नहीं आए हैं। पुलिस अधीक्षक नगर चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि मामले की जानकारी की जा रही है।

लगातार दबिश दे रही थी पुलिस

बताते चलें कि पश्चिम बंगाल में हुए इस चर्चित हत्याकांड के बाद से वहां की पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में यूपी समेत कई राज्यों में दबिश दे रही थी। जांच एजेंसियां मोबाइल कॉल डिटेल, लोकेशन ट्रैकिंग और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों तक पहुंचने का प्रयास कर रही थीं। अब मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। बताया जा रहा है कि कोलकाता पुलिस प्रेस वार्ता कर गिरफ्तारी के बारे में जानकारी देगी।

संपादकीय

सोनार बांग्ला का संकल्प

चुनौतियों का ताज भी मिला है शुभेंदु को

यह भाजपा के लिए आह्लादित होने का वक्त है कि आजादी के बाद पहली बार बंगभूमि में उसकी सरकार बनी है। जिस धूमधाम व उल्लास संग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा व एनडीए के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी में पश्चिम बंगाल में शुभेंदु सरकार का शपथग्रहण समारोहपूर्वक संपन्न हुआ, उससे इसके महत्व का पता चलता है। भाजपा के लिए यह मौका इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि उसकी पूर्ववर्ती मातृ पार्टी जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि में सरकार बनाने का सपना पौन सदी बाद पूरा हुआ। दशकों तक वामपंथी दलों का गढ़ रहे बंगाल में दक्षिणपंथ का उदय एक विस्मयकारी घटना है। डेढ़ दशक से सत्ता में काबिज तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करने में भाजपा ने साम-दाम-दंड-भेद के मुहावरे को हकीकत बनाया। कई दशकों के योजनाबद्ध अभियानों के बाद बंगाल में कमल खिला है। आक्रामक प्रचार तंत्र, मजबूत संगठन व संघ के वरदहस्त के चलते आज पश्चिम बंगाल भाजपामय हुआ है। यह पल इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि भाजपा ने कभी वामगढ़ रहे प्रदेश में अपनी यात्रा शून्य से शुरू की है। एक दशक में सुनियोजित अभियान से भाजपा का सत्ता पर काबिज होना भारतीय राजनीति की ऐतिहासिक घटना कही जा सकती है। अब उम्मीद की जानी चाहिए कि शुभेंदु विपक्ष में रहते दिखाए गए आक्रामक तेवरों को छोड़, प्रतिशोध की राजनीति में न उलझकर, इस परिवर्तन को सार्थक बनाएंगे। कुछ ऐसा करें कि देश में शुभेंदु विकास मॉडल की चर्चा हो।

> “ डेढ़ दशक से सत्ता में काबिज तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करने में भाजपा ने साम-दाम-दंड-भेद के मुहावरे को हकीकत बनाया। कई दशकों के योजनाबद्ध अभियानों के बाद बंगाल में कमल खिला है। आक्रामक प्रचार तंत्र, मजबूत संगठन व संघ के वरदहस्त के चलते आज पश्चिम बंगाल भाजपामय हुआ है। यह पल इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि भाजपा ने कभी वामगढ़ रहे प्रदेश में अपनी यात्रा शून्य से शुरू की है। एक दशक में सुनियोजित अभियान से भाजपा का सत्ता पर काबिज होना भारतीय राजनीति की ऐतिहासिक घटना कही जा सकती है। अब उम्मीद की जानी चाहिए कि शुभेंदु विपक्ष में रहते दिखाए गए आक्रामक तेवरों को छोड़, प्रतिशोध की राजनीति में न उलझकर, इस परिवर्तन को सार्थक बनाएंगे।

निस्संदेह, बंगाल में मिली बड़ी कामयाबी का श्रेय केंद्रीय नेतृत्व व पार्टी संगठन के साथ ही शुभेंदु अधिकारी को दिया जाना चाहिए, जिन्होंने सत्ता के दमन का सामना करते हुए न केवल संगठन को मजबूत बनाये रखा, बल्कि नंदीग्राम से लेकर भवानीपुर तक बंगाल की शेरनी कही जाने वाली ममता बनर्जी को सीधी लड़ाई में परास्त भी किया। वे पिछले पांच वर्ष से सड़क से विधानसभा तक में आक्रामक ढंग से टीएमसी का प्रतिरोध करते रहे। लेकिन अब जब उन्हें राज्य की बागडोर सौंपी गई है तो उम्मीद करें कि वे राज्य की कानून व अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाएंगे। उद्योग विरोधी नीतियों को दूर कर, राज्य में भारी निवेश को आमंत्रित करके बेरोजगारी संकट को दूर करने का प्रयास करेंगे। राज्य में कानून व्यवस्था, खासकर महिला सुरक्षा का बड़ा मुद्दा रहा है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद राज्यव्यापी आक्रोश पनपा था। संदेशखाली में महिलाओं से दुर्व्यवहार व हिंसा की घटनाएं लोगों को याद हैं। राष्ट्रवादी नीतियों को लेकर अगुवा रहने वाली भाजपा के लिए बांग्लादेश सीमा से घुसपैठ रोकना प्राथमिकता होगी, लेकिन इसका खमियाजा भारतीय नागरिकों को न भुगतना पड़े। उम्मीद की जानी चाहिए कि शुभेंदु सरकार राज्य में राजनीतिक व चुनावी हिंसा पर लगाम लगाने की ठोस पहल करेगी। साथ ही उन हिंसा करने वाले दबंग तत्वों पर लगाम लगाएगी, जो चोला बदलकर हर नई सरकार की छतरी के नीचे खड़े हो जाते हैं। जो कालांतर राज्य में अराजक राजनीतिक संस्कृति को जन्म देते हैं। कानून व्यवस्था सुधरने से ही पश्चिम बंगाल पटरी पर लौटेगा।

ऊर्जा संकट में सरकार बनी ढाल

- होर्मुज मार्ग बंद होने से दुनिया झुलस रही है ऊर्जा संकट की आग से
- मोदी सरकार ने सूझबूझ से जनता पर नहीं आने दी इस संकट की आंच, खुद उठाया बोझ
- भारत में सामान्य रूप से होते रहे सभी कार्य। जनता को भी देना होगा धैर्य के साथ देश का साथ

डॉ. सुयश नारायण मिश्रा

वैश्विक युद्ध और होर्मुज संकट का असर आज पूरी दुनिया महसूस कर रही है। युद्ध की लपटें केवल सीमाओं तक सीमित नहीं हैं, उनका असर हर घर की रसोई, हर वाहन के पहिए और हर परिवार के बजट तक पहुंच चुका है। कई देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें इतिहास के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं, पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगीं, महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी और सरकारें अपने नागरिकों के गुस्से का सामना करने को मजबूर हो गईं।

लेकिन इसी उथल-पुथल के बीच आज युद्ध के लगभग 11 सप्ताह बीतने पर भी भारत में जीवन की सामान्य गति बनी रही, करोड़ों परिवारों के चूल्हे जलते रहे, गाड़ियां चलती रहीं। यह अपने आप नहीं हुआ। इसके पीछे एक ऐसी नीति, ऐसी तैयारी और ऐसी संवेदनशील सोच थी जिसने वैश्विक तूफान के सामने भारत के नागरिकों को ढाल बनकर संरक्षण दिया। जब दुनिया ऊर्जा संकट की आग में झुलस रही थी, तब मोदी सरकार एक संरक्षक की तरह अपने नागरिकों के साथ खड़ी रही। जैसे द्वापर में भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों को बचाया था, वैसे ही इस कठिन समय में सरकार ने बढ़ती वैश्विक कीमतों और आर्थिक दबाव का बड़ा हिस्सा स्वयं अपने ऊपर उठाया, ताकि उसका बोझ सीधे जनता की थाली, रसोई और जेब तक न पहुंचे।

यही कारण है कि आज यह संकट केवल आर्थिक प्रबंधन की कहानी नहीं, बल्कि संवेदनशील शासन, दूरदर्शी नेतृत्व और नागरिकों के प्रति उत्तरदायित्व की मिसाल बन चुका है। दुनिया भर में बढ़ती कीमतों का बोझ सीधे जनता पर डाल देना सबसे आसान रास्ता था और कई देशों ने ऐसा ही किया, लेकिन भारत ने यह रास्ता नहीं चुना। मोदी सरकार ने स्वयं भारी आर्थिक दबाव सहा ताकि आम आदमी की रसोई और रोजमर्रा की जिंदगी पर कम से कम असर पड़े। सरकार ने लगभग पेट्रोल पर 24 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल पर 30 रुपये प्रति लीटर का भार वहन किया। 28 फरवरी के बाद से वैश्विक स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई। यूरोप और एशिया के कई देशों में पेट्रोल 30 से लेकर 35 प्रतिशत तक महंगा हुआ, जबकि भारत में कोई बदलाव नहीं किया गया। हांगकांग में आज पेट्रोल सबसे महंगा है। वहाँ एक लीटर की कीमत लगभग 295 रुपये पहुंच गई है, जो 28 फरवरी के बाद 25 प्रतिशत बढ़ी है। सिंगापुर में दाम 30 प्रतिशत बढ़कर करीब 240 रुपये प्रति लीटर हो गया है। नीदरलैंड में पेट्रोल 225 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है, जो 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। युद्धग्रस्त इजराइल में पेट्रोल 30 प्रतिशत महंगा होकर 185 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं भारत में अब भी पेट्रोल की कीमत 95 रुपए प्रति लीटर है।

प्रतिदिन लगभग 1,000 करोड़ का घाटा उठाना कोई साधारण बात नहीं है। अब तक लगभग 68,000 करोड़ का बोझ सरकार और तेल कंपनियों ने अपने ऊपर लिया है। यह आंकड़ा उस संवेदनशील सोच का प्रमाण है जिसमें मोदी सरकार ने पहले नागरिकों की चिंता की और बाद में अपने खजाने की। सोचिए, यदि यही संकट बिना तैयारी के आया होता तो क्या स्थिति होती? रसोई गैस महंगी होती, परिवहन लागत बढ़ती, महंगाई हर घर तक पहुंचती और मध्यम वर्ग से लेकर गरीब तक का बजट डगमगा जाता।

लेकिन साल 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आते ही स्थितियां बदलनी शुरू हुईं। पिछले वर्षों में ऊर्जा सुरक्षा को लेकर जो दूरदर्शी तैयारी की गई, वही आज देश की ढाल बनकर खड़ी है। तेल भंडार तैयार किए गए, एथनॉल ब्लेंडिंग बढ़ाई गई, वैकल्पिक ईंधन नेटवर्क विकसित हुआ और रिफाइनिंग क्षमता का विस्तार शुरू हुआ। वैकल्पिक ईंधन के माध्यम से एलपीजी की मांग को 70 से 75 हजार टन प्रति दिन कम किया गया। यह केवल इसलिए संभव हुआ क्योंकि पीएनजी, मिट्टी का तेल, ईंधन तेल और बायोमास की वैकल्पिक अवसंरचना संकट से पहले से तैयार थी। जापान और दक्षिण कोरिया के बाद भारत ही ऐसा देश है जो 30-दिवसीय एलपीजी भंडार की योजना बना रहा है।

इस युद्ध से उत्पन्न संकट से पता चलता है ये हमारी आज की आवश्यकता है। आज भारत के पास 5.33 मिलियन टन का रणनीतिक तेल भंडार है और दूसरे चरण के तहत चंडीखोल, पादुर और बीकानेर में अतिरिक्त भंडारण क्षमता तैयार की जा रही है। यह केवल परियोजनाएं नहीं हैं, बल्कि भविष्य के संकटों से देशवासियों को सुरक्षित रखने की तैयारी है। एथनॉल मिश्रण की नीति ने भी इस कठिन समय में देश को बड़ी राहत दी। 20 प्रतिशत ब्लेंडिंग के कारण भारत विदेशी मुद्रा की भारी बचत कर पा रहा है। संकट के दौरान वैकल्पिक ईंधन व्यवस्था के जरिए एलपीजी की मांग में प्रतिदिन 70 से 75 हजार टन तक कमी लाई गई। ये कदम बताते हैं कि सरकार ने केवल आज के लिए नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए भी सुरक्षा का रास्ता तैयार किया है।

युद्ध अब भी जारी है। आने वाले समय में कठिन फैसले लेने पड़ सकते हैं। लेकिन देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि जब पूरी दुनिया दबाव में थी, तब भारत सरकार ने अपने नागरिकों को अकेला नहीं छोड़ा। उसने एक अभिभावक की तरह जिम्मेदारी निभाई। सरकारें केवल योजनाओं और घोषणाओं से बड़ी नहीं बनतीं, बल्कि कठिन समय में अपने लोगों के साथ खड़े होने से बड़ी बनती हैं। इस वैश्विक संकट के दौर में भारत ने यही करके दिखाया है। यही कारण है कि आज देश का आम नागरिक सिर्फ राहत महसूस नहीं कर रहा, बल्कि उसके मन में यह भरोसा भी मजबूत हुआ है कि संकट चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, देश उसके साथ खड़ा है। हालांकि यह संकट अभी पूरी तरह टला नहीं है। समय की मांग यह भी है कि देश के नागरिक भी आने वाली चुनौतियों के प्रति सजग, संयमित और तैयार रहें। नागरिकों का कर्त्तव्य है कि ऊर्जा का इस्तेमाल किफायत से करें। वैशिवक संकट के बीच ढाल बनी भारत सरकार का धैर्यपूर्वक साथ दें।

सोमनाथ से सिंदूर तक: पुनरुत्थानशील भारत की भावना

पीयूष गोयल

75 वर्ष पहले किया गया भव्य सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण और प्राण-प्रतिष्ठा भारत के सभ्यतागत गौरव की पुनर्स्थापना का निर्णायक क्षण था। इसने भारत की उस दृढ़ता और संकल्प को पुन: स्थापित किया, जो प्रधानमंत्री नरे-?द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' मिशन का मूल आधार है।

इस पवित्र उपलब्धि की 75वीं वर्षगांठ राष्ट्र को भारतीय सभ्यता की मजबूत नींव और शक्ति पर सर्वोच्च विश्वास प्रदान करती है, जो 1,000 वर्षों तक कट्टरपंथियों द्वारा मंदिर पर किए गए भीषण हमलों को झेलने के बाद भी और अधिक सशक्त होकर उभरी। गुजरात के शांत समुद्र तट पर स्थित यह मंदिर हर आक्रमण के बाद खंडहरों से अपनी पूरी भव्यता के साथ फिर उठ खड़ा हुआ। कई मायनों में इसका इतिहास भारत के अतीत का प्रतिबिंब है, जहाँ हमारे शांतिप्रिय लोगों ने अपनी आस्था, संस्कृति और विरासत पर हुए क्रूर हमलों के बाद फिर से मजबूती से वापसी की।

जैसा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, जिस प्रकार सोमनाथ को नष्ट करने के लिए बार-बार षड्यंत्र और प्रयास हुए, उसी प्रकार विदेशी आक्रमणकारियों ने सदियों तक भारत को समाप्त करने की कोशिश की। फिर भी न तो यह पूजनीय तीर्थ नष्ट हुआ और न ही भारत। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि सोमनाथ पर हमलों का उद्देश्य लूटपाट से ज़्यादा खतरनाक था। उन्होंने कहा, यदि हमले केवल लूट के लिए होते, तो एक हजार वर्ष पहले हुई पहली बड़ी लूट के बाद ही रुक गए होते। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सोमनाथ की पवित्र मूर्ति को अपवित्र किया गया, मंदिर के स्वरूप को बार-बार बदला गया। और हमें यह सिखाया गया कि सोमनाथ को केवल लूट के लिए नष्ट किया गया था। घृणा, उत्पीड़न और आतंक का यह क्रूर इतिहास हमसे छिपाया गया।

नेहरू का विरोध- स्वतंत्रता के बाद सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण के मिशन का नेतृत्व किया। यह नवस्वतंत्र भारत में राष्ट्रीय आत्मविश्वास की प्रारंभिक अभिव्यक्तियों में से एक था। लेकिन इस प्रयास की राह में भी मुश्किलें आईं। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इसके ऐतिहासिक लोकार्पण समारोह में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के शामिल होने का औपचारिक तौर पर विरोध किया। इसके बावजूद राष्ट्रपति ने 11 मई 1951 को मंदिर का लोकार्पण किया।

सदियों के क्रूर उत्पीड़न के बाद इस पुनर्निर्माण ने भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सभ्यता पर गर्व के बीज बोए। काशी विश्वनाथ और उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर के पुनरुद्धार से लेकर अयोध्या में भव्य राम मंदिर तक; केदारनाथ के पुनर्जीवन से लेकर असंख्य धरोहर स्थलों के संरक्षण तक — भारत अपनी सभ्यता की कहानी को गरिमा और उद्देश्य के साथ पुन: स्थापित कर रहा है। इन प्रयासों से पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं व्यापार के अनेक अवसरों का सृजन हो रहा है।

वैश्विक पहचान- सोमनाथ की ही भांति भारत भी और अधिक सशक्त होकर उभरा है। यह विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था होने के साथ-साथ अपनी समृद्ध विरासत और आधुनिकता के अद्वितीय संगम के लिए वैश्विक पहचान बना रहा है। 2014 में जब देश भारी बहुमत से मोदी सरकार को सत्ता में लाया, तो संयुक्त राष्ट्र महासभा ने रिकॉर्ड 175 देशों के समर्थन से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव पारित किया। योग आज एक वैश्विक वेलनेस मुहिम बन चुका है, जिसने दुनिया की सभी संस्कृतियों के लोगों को लाभ पहुंचाया है।

एक दशक बाद, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पश्चिम एशिया में संयुक्त अरब अमीरात सरकार द्वारा उपहार में दी गई भूमि पर बने एक भव्य मंदिर का लोकार्पण किया। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने बहरीन में 200 वर्ष पुराने मंदिर के पुनर्निर्माण कार्य का शुभारंभ किया था। वह नियमित रूप से प्रवासी भारतीयों से संवाद करते हैं जिससे वे भारतीय सांस्कृतिक विरासत का गौरवशाली दूत बन जाते हैं।

यह एफ्टीए आयुर्वेद, योग और अन्य पारंपरिक चिकित्सा सेवाओं के व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करता है तथा आयुष को समकालीन और वैश्विक रूप से प्रासंगिक स्वास्थ्य समाधान के रूप में स्थापित करता है। ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और ऑस्ट्रेलिया के साथ हुए व्यापार समझौतों में भी इसी प्रकार के प्रावधान हैं। यूरोपीय संघ के साथ एफ्टीए आयुष चिकित्सकों को भारत में प्राप्त व्यावसायिक योग्यता के आधार पर यूरोपीय देशों में सेवाएँ देने की अनुमति देगा। यह यूरोपीय संघ के सदस्य देशों में आयुष वेलनेस सेंटर और क्लीनिक बनाने में भी मदद करता है। नई चुनौतियों पर विजय-जहाँ एक ओर भारत की सांस्कृतिक विरासत दुनिया का ध्यान आकृष्ट कर रही है, वहीं देश कट्टरपंथियों के निशाने पर बना हुआ है, जो आतंकवाद और घुसपैठ के माध्यम से भारत की सामंजस्यपूर्ण विरासत को बिगाड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में नया भारत ऐसी चुनौतियों का ज़ोरदार जवाब देता है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से भारत ने आतंकवादियों और सीमा पार मौजूद उनके संरक्षकों को करारा सबक सिखाया। हाल के विधानसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल के मतदाताओं ने उन दलों को नकार दिया, जो घुसपैठियों का समर्थन कर रहे थे, वोट-बैंक की राजनीति कर रहे थे और भारत की सांस्कृतिक विरासत को कमजोर कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर और सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, दोनों की वर्षगांठ में कुछ ही दिनों का अंतर है। ये दोनों ही भारत की दृढ़ता और शक्ति को दर्शाती हैं। सोमनाथ की कहानी अंतत: राजनीति से कहीं आगे है। यह एक ऐसी सभ्यता की दास?तान है, जिसने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया। अपने पुनर्निर्माण के 75 वर्ष बाद, आज सोमनाथ केवल मंदिर नहीं, बल्कि भारत की दृढ़ता, निरंतरता और राष्ट्रीय आत्मविश्वास का कालजयी प्रतीक बनकर खड़ा है।

लेखक केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री हैं।

'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस' पर तकनीकी नवाचार का समन्वय

डॉ. जितेंद्र सिंह

11 मई को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 'विज्ञान टेक', भारत द्वारा 1998 में किए गए सफल पोखरण-द्वितीय परमाणु परीक्षणों के जरिए प्राप्?त ऐतिहासिक तकनीकी उपलब्धि का कीर्तिगान करता है। यह अवसर भारत की विकास यात्रा को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वैज्ञानिक नवाचार, तकनीकी प्रगति तथा विज्ञान, समाज और उद्योग के समन्वय के प्रति राष्ट्र की निरंतर प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है।

पिछले एक दशक में, माननीय प्रधानमंत्री नरे-?द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का तकनीकी इकोसिस्?टम अभूतपूर्व विकास का साक्षी रहा है, जो त?वरित नवाचार, विस्तारित डिजिटल अवसंरचना तथा उभरते क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति से परिलक्षित होता है। आत्मनिर्भरता तथा वैज्ञानिक नवाचारों को वास्तविक दुनिया में प्रभावी रूप से लागू करने पर विशेष बल दिया गया है। क्वांटम संचार, अंतरिक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा तथा जलवायु के प्रति लचीली प्रणालियों जैसे अग्रणी प्रौद्योगिकी-आधारित क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। जैव-निर्माण विकसित भारत के लिए एक महत्वपूर्ण तकनीक है, जो जैविक प्रणालियों के माध्यम से उच्च-मूल्य वाले जैव-उत्पादों, टीकों, ईंधनों और सामग्रियों के उत्पादन द्वारा सतत नवाचार, स्वास्थ्य सुरक्षा तथा सशक्त जैव-अर्थव्यवस्था को सक्षम बनाती है। चंद्रयान-3 मिशन में भारत की सफलता तथा हाल की उपलब्धियाँ, जैसे कलपक्कम स्थित स्वदेशी प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर में क्रिटिकलिटी प्राप्त करना, रणनीतिक क्षेत्रों में देश की प्रगति और दीर्घकालिक तकनीकी आत्मनिर्भरता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को और अधिक रेखांकित करती हैं।

यह प्रगति विभिन्न प्रमुख राष्ट्रीय मेट्रिक्स में भी परिलक्षित होती है। विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा जारी वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत ने अपनी स्थिति में उल्लेखनीय सुधार किया है और वर्ष 2015 में 81वें स्थान से बढ़कर 2025 में 38वें स्थान पर पहुँच गया है। देश में स्वीकृत पेटेंटों की संख्या भी 2014-15 में कुछ हजार से बढ़कर 2025 में लगभग 1.5 लाख तक पहुँच गई है। भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम भी तेज़ी से विस्तारित हुआ है। विभिन्न क्षेत्रों में उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा मान्यता प्राप्त 1.5 लाख से अधिक स्टार्टअप कार्यरत हैं, जिनमें लगभग पंद्रह हजार स्टार्टअप कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स तथा एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग जैसे प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं। यह परिवर्तन नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के विस्तार में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जहाँ गैर-जीवाश्म स्रोतों से ऊर्जा क्षमता 250 गीगावाट से अधिक हो चुकी है। साथ ही, देश की जैव-अर्थव्यवस्था ने भी एक दशक में 10 बिलियन डॉलर से बढ़कर 195 बिलियन डॉलर तक की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है।

पिछले एक दशक में सरकार द्वारा लागू किए गए नीतिगत सुधारों ने इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनमें स्टार्टअप और इनक्यूबेशन इकोसिस्?टम का त?वरित विस्तार, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों को निजी कंपनियों के लिए खोलना, तथा अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ), बायोई3 (अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार के लिए जैव प्रौद्योगिकी) नीति तथा हाल ही में प्रारंभ किए गए 1 लाख करोड़ रुपये के अनुसंधान, विकास और नवाचार (आरडीआई) कोष जैसे सक्षम ढाँचों की स्थापना शामिल है। इन पहलों ने भारत की नवाचार संरचना को सुदृढ़ किया है और वैज्ञानिक उपलब्धियों को सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव में परिवर्तित करने पर फोकस को और मजबूत किया है। अब विज्ञान प्रयोगशालाओं से बाज़ारों तक और विचारों से वास्तविक प्रभाव तक पहुँच रहा है।

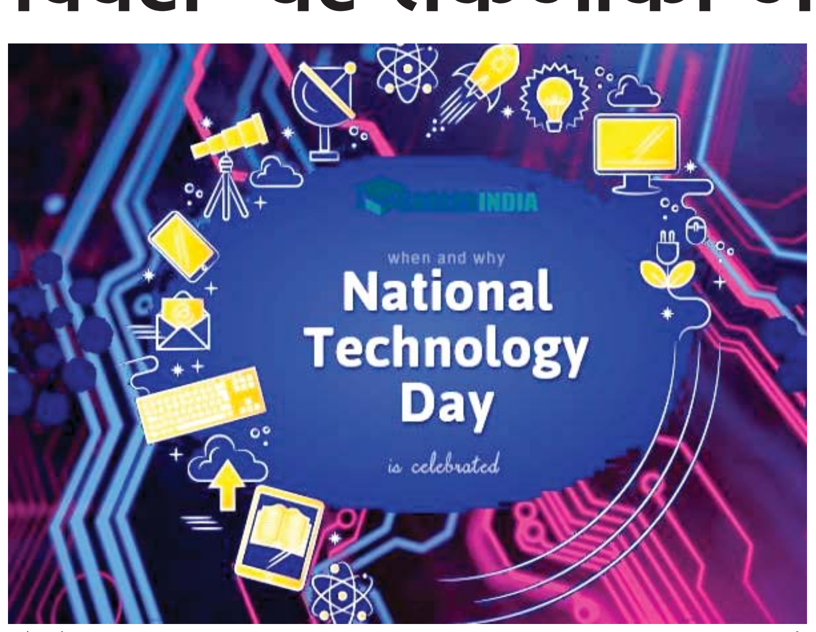

सरकार सक्रिय नीतियों, पुराने विनियमों को हटाने तथा भारतीय नवोन्मेषकों के लिए नैतिक और समान अवसर वाला वातावरण तैयार करके आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान कर रही है। सरकार अब केवल प्रमुख वित्तपोषक की भूमिका तक सीमित न रहकर, एक प्रमुख सक्षमकर्ता की भूमिका भी निभा रही है। भारत में अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता को रणनीतिक दिशा प्रदान करने वाले केंद्रीय शीर्ष निकाय के रूप में अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) की स्थापना की गई है। इसका उद्देश्य भारत को ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था तथा नवाचार के क्षेत्र में ग?लोबल लीडर के रूप में स्थापित करना है। इसका वृहद उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यह यात्रा स्वदेशी बौद्धिक संपदा, नैतिक ढाँचों तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लिए सम्पूर्ण समाज की प्रतिबद्धता हेतु सम्पूर्ण सरकार दृष्टिकोण के माध्यम से संचालित हो।

'विज्ञान टेक' इस यात्रा को दर्शाता है, जिसमें विज्ञान आधारभूत केंद्र के रूप में है, प्रौद्योगिकी सक्षमकर्ता के रूप में है तथा नवाचार उसका परिणाम है। बीआरआईसी-राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एनआईआई) में 11 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रदर्शनी में भारत सरकार के 14 मंत्रालयों एवं विभागों के अंतर्गत आने वाले प्रमुख राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों और प्रयोगशालाओं द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित 350 से अधिक डीप-टेक प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया जाएगा। ये स्वदेशी प्रौद्योगिकियाँ विभिन्न प्रमुख विषयगत क्षेत्रों को समाहित करती हैं, जिनमें बायोफार्मा एवं स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी, जैव-औद्योगिक एवं हरित रसायन, अंतरिक्ष एवं भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी, जलवायु एवं कृषि-खाद्य प्रौद्योगिकी, डीप-टेक सामग्री एवं उन्नत अभियांत्रिकी प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर एवं ऊर्जा, तथा गहरे समुद्र एवं वायुमंडलीय प्रौद्योगिकियाँ शामिल हैं। इनमें से अनेक प्रौद्योगिकियाँ पहले ही लाइसेंस प्राप्त कर चुकी हैं या व्यावसायिक रूप से उपयोग में लाई जा चुकी हैं, जबकि अन्य शीघ्र ही लाइसेंसिंग और व्यापक उपयोग हेतु उपलब्ध होंगी।

इन सभी नवाचारों में एक समान सूत्र यह है कि अनुसंधान अब अलग-थलग कार्यप्रणाली से आगे बढ़कर एकीकृत एवं पारिस्थितिकी-तंत्र आधारित दृष्टिकोण की ओर अग्रसर हो रहा है। सार्वजनिक अनुसंधान संस्थान अब स्टार्टअप्स और उद्योगों के साथ निकट सहयोग में कार्य कर रहे हैं, ताकि प्रौद्योगिकियाँ प्रयोगशालाओं से निकल कर शीघ्रता से बाज़ार तक पहुँच सकें।

भारत के तकनीकी विकास के अगले चरण के लिए अनुसंधान कार्यक्रमों के अवधारणा-निर्माण की प्रक्रिया से ही शिक्षा जगत, उद्योग जगत, स्टार्टअप्स और सरकार के बीच और अधिक गहन समन्वय की आवश्यकता होगी। उद्योग और अकादमिक संस्थानों के बीच मजबूत साझेदारी से अनुसंधान को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, बाज़ार की आवश्यकताओं और सामाजिक चुनौतियों के अनुरूप बेहतर ढंग से जोड़ा जा सकेगा। साथ ही, क्रांतिकारी नवाचार और वैज्ञानिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए मौलिक अनुसंधान को भी निरंतर प्रोत्साहित करना आवश्यक होगा। राष्ट्रीय संस्थानों और प्रयोगशालाओं को भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, उन्नत सामग्री, क्वांटम प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष अन्वेषण तथा चिकित्सा प्रौद्योगिकी जैसे अग्रणी क्षेत्रों में उभरती चुनौतियों से निपटने हेतु अधिक सहयोगपूर्ण और मिशन-आधारित तरीके से कार्य करना होगा।

जैसे-जैसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी अभूतपूर्व गति से विकसित हो रहे हैं, नियामक ढाँचों का भी अधिक अनुकूलनीय, सुव्यवस्थित और नवाचार-हितैषी बनाना आवश्यक है। कोशिका एवं जीन थेरेपी, मोनोक्लोनल बायोलॉजिक्स, सिंथेटिक बायोलॉजी तथा स्वायत्त प्रणालियों जैसे उभरते क्षेत्रों के लिए ऐसे चुस्त और साक्ष्य-आधारित नियामक ढाँचे आवश्यक हैं, जो नवाचार, सुरक्षा और नैतिकता के बीच संतुलन स्थापित कर सकें। रेगुलेटरी सैंडबॉक्स जैसे गतिशील तंत्र जिम्मेदार नवाचार को तेज़ी से आगे बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। राज्यों की अधिक भागीदारी (जैसे बायोई3 प्रकोष्?ठ) तथा विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 शहरों में क्षेत्रीय नवाचार इकोसिस्?टम, वैज्ञानिक और तकनीकी विकास के अधिक विकेन्द्रीकृत एवं बॉटम-अप दृष्टिकोण (यानी निचले स्?तर से ऊपर तक के दृष्टिकोण) को बढ़ावा दे सकते हैं। यह दृष्टिकोण क्षेत्रीय प्राथमिकताओं और चुनौतियों के अनुरूप होगा तथा यह सुनिश्चित करेगा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी पूरे देश में जीवन की गुणवत्ता सुधारने के लिए एक शक्तिशाली साधन के रूप में कार्य करें।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी शक्ति, आर्थिक वृद्धि को गति देने, शासन व्यवस्था को बेहतर बनाने, उत्पादकता बढ़ाने तथा समावेशी विकास को प्रोत्साहित करने में सहायता प्रदान करते हुए विकसित भारत के विज़न को साकार करने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन और राष्?ट्रीय क्वांटम मिशन जैसी सरकारी पहलें, साथ ही बायोमैन्युफैक्चरिंग, प्रिसीजन बायोथेराप्यूटिक्स तथा कृषि एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)-आधारित समाधानों में हो रही प्रगति यह दर्शाती हैं कि भारत उभरती प्रौद्योगिकियों में नवाचार और नेतृत्व को मजबूत करने पर रणनीतिक रूप से ध्?यान केंद्रित कर रहा है। भारत अब मुख्यत: प्रौद्योगिकी के उपभोक्ता से आगे बढ़कर वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में परिवर्तित हो रहा है।

जैसे-जैसे भारत 2047 की ओर बढ़ रहा है विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार आर्थिक विकास को गति देने, रणनीतिक आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने, सामाजिक परिवर्तन को प्रेरित करने तथा सतत भविष्य सुनिश्चित करने में निरंतर महत्वपूर्ण भूमिका निभाना जारी रखेंगे।

लेखक भारत सरकार में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

शिकायतों पर विधायक देवेंद्र ने अफसरों को लगाई फटकार

भिलाई। विधायक देवेंद्र यादव ने सेक्टर–5 स्थित अपने कार्यालय में जनभेंट–मुलाकात कार्यक्रम रखा। बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। खुर्सीपार और छावनी क्षेत्र से पहुंचे करीब 50 से ज्यादा महिला और पुरुषों ने बताया कि, उनके इलाके में कई दिनों से पानी की भारी परेशानी बनी हुई है। टंकी निर्माणाधीन है। इसके अलावा बिजली कटौती से परेशान लोगों ने भी विधायक से शिकात की। विधायक ने फोन पर ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

दर्रा में जल जीवन मिशन कार्य पर ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

उपरवाह। उपरवाह ग्राम पंचायत अऊरदा के आश्रित ग्राम दर्रा में जल जीवन मिशन अंतर्गत निर्माण कार्य में लापरवाही को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माणाधीन आहता एवं ऑपरेटर रूम में नियमित पानी डालकर क्यूरिंग नहीं की गई और सीधे पुताई कर दी गई। ग्रामीणों के अनुसार लगभग 15 दिनों तक लगातार संबंधित कर्मचारियों एवं सुपरवाइजर सागर सोनी को पानी डालने और गुणवत्ता सुधारने के लिए कहा गया, लेकिन शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया गया। सुपरवाइजर फोन तक नहीं उठाते। ग्रामीणों ने बताया कि विभाग द्वारा हर घर जल योजना पूर्ण कराने के लिए पंचायत पर लगातार दबाव बनाया गया।

कानफोड़ू डीजे की आवाज पर मैरिज पैलेस पर कार्रवाई

भिलाई। पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र के जयंती नगर स्थित मां लक्ष्मी मैरिज पैलेस में देर रात तेज आवाज में डीजे, लाउडस्पीकर और ध्वनि विस्तारक यंत्र चलाए जाने की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पाया गया कि विवाह समारोह और अन्य आयोजनों में निर्धारित समय सीमा के बाद भी तेज ध्वनि में डीजे संचालित हो रहा था, जिससे आसपास के रहवासी परेशान हो रहे थे। मैरिज पैलेस के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

दुर्ग में यातायात अभियान, 2529 नो पार्किंग चालान

दुर्ग। यातायात पुलिस ने सुपेला संडे मार्केट क्षेत्र में सड़क पर ठेला और दुकान लगाकर रास्ता घेरने वाले संचालकों को सड़क खाली कराई गई और उन्हें रोड किनारे उपलब्ध स्थान पर व्यवस्थित तरीके से कारोबार करने के निर्देश दिए। वहीं इंदिरा मार्केट और सिविक सेंटर इलाके में सफेद लाइन के बाहर वाहन खड़े कर यातायात बाधित करने वाले 58 दोपहिया और चारपहिया का ई–चालान किया गया। 2026 में अब तक 2529 वाहनों पर नो पार्किंग कार्रवाई हो चुकी है।

एक ही ऐप में रेलवे की सभी सुविधाएं

'रेल वन ऐप' बना यात्रियों का साथी - सभी प्रकार की टिकटें, टाइम व कोच पोजिशन की मिलती है जानकारी

- रायपुर मंडल के व्यापक प्रचार-प्रसार से बढ़ रहा डिजिटल टिकटिंग का दायरा, लाखों यात्री उठा रहे लाभ
- हेल्प डेस्क के माध्यम से रेलवन ऐप डाउनलोड कर टिकट बुक करना यात्रियों को सिखाया

दुर्ग। भारतीय रेलवे द्वारा यात्रियों को आधुनिक, त्वरित एवं सुविधाजनक डिजिटल सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में विकसित रेलवन ऐप यात्रियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। पिछले वर्ष जुलाई में प्रारंभ किए गए इस एकीकृत मोबाइल ऐप को देशभर में अब तक करोड़ों लोग डाउनलोड कर चुके हैं तथा इसका उपयोग लगातार बढ़ रहा है।

रेलवन ऐप की प्रमुख विशेषताएँ, उपयोगिता एवं लाभ

- इस ऐप के माध्यम से यात्री आरक्षित, अनारक्षित एवं प्लेटफॉर्म टिकटों की आसानी से बुकिंग कर सकते हैं, साथ ही टिकट रद्दीकरण एवं रिफंड की प्रक्रिया भी बेहद सरल एवं त्वरित रूप में उपलब्ध है।
- यात्रियों को पीएनआर स्टेटस, वेटिंग स्थिति, लाइव ट्रेन रनिंग स्टेटस, ट्रेन के आगमन एवं प्रस्थान समय, प्लेटफॉर्म नंबर तथा कोच पोजिशन जैसी महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी रियल टाइम में प्राप्त होती है।
- रेलवन ऐप सुरक्षित, सुविधाजनक एवं तेज डिजिटल भुगतान सुविधा उपलब्ध कराता है।
- रेलवन ऐप में यात्रियों को तेज, सुरक्षित एवं सुविधाजनक डिजिटल टिकटिंग सुविधा मिलने के कारण यात्रियों का समय एवं श्रम दोनों की बचत हो रही है तथा टिकट काउंटरों में भीड़ एवं लंबी कतारों से राहत मिल रही है।
- यात्री कहीं से भी अपने मोबाइल के माध्यम से आसानी से टिकट बुक कर सकते हैं।
- यह ऐप पारदर्शी एवं कैशलेस टिकटिंग व्यवस्था को बढ़ावा देने के साथ–साथ खुल्ले पैसे एवं फेक करेंसी जैसी समस्याओं से भी शत प्रतिशत राहत प्रदान कर रही है।
- यात्रियों की सुविधा को और बेहतर बनाते हुए रेलवन ऐप के माध्यम से यात्रा के दौरान भोजन ऑर्डर करने की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे पसंदीदा भोजन सीट तक पहुँचाया जाता है।
- डिजिटल इंडिया अभियान को सशक्त बनाने में भी रेलवन ऐप महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।
- रेलवन ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक कर डिजिटल भुगतान करने पर यात्रियों को 3 प्रतिशत की छूट भी प्रदान की जा रही है, जो 14 जुलाई 2026 तक प्रभावी है।

मंडल द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल द्वारा रेलवन ऐप के प्रचार–प्रसार हेतु निरंतर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। रायपुर मंडल के स्टेशनों के बुकिंग कार्यालयों में ऐप के फ्लेक्स, बैनर एवं पोस्टर प्रदर्शित किए गए हैं। प्रमुख स्टेशनों पर उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से यात्रियों को ऐप की जानकारी दी जा रही है। वाणिज्य विभाग द्वारा प्रमुख स्टेशनों पर हेल्प डेस्क संचालित कर यात्रियों को ऐप डाउनलोड करने, टिकट बुकिंग एवं डिजिटल भुगतान संबंधी सहायता प्रदान की जा रही है। इसके अलावा वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा प्लेटफॉर्मों पर यात्रियों को इससे होने वाली सुविधाओं की जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी निरंतर प्रचार–प्रसार किया जा रहा है, जिससे यात्री डिजिटल टिकटिंग सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं।

निरंकारी बाल समागम में बच्चों ने गीत-संगीत के माध्यम से दिया आध्यात्मिक मूल्यों का संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। संत निरंकारी मंडल ब्रांच दुर्ग भिलाई की बाल संगत द्वारा बाल समागम का आयोजन संत निरंकारी सत्संग भवन सेक्टर 8 भिलाई में किया गया। समागम में बच्चों ने अपनी प्रतिभा के माध्यम से आध्यात्मिक मूल्यों का सुंदर संदेश दिया। गीत, नृत्य एवं नाटक की प्रस्तुतियों के जरिए बच्चों ने विनम्रता, समर्पण, शुकराना, सहनशीलता एवं सद्भावना जैसे मानवीय गुणों को जीवंत रूप में प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया।

समागम में बच्चों ने बताया कि यदि बचपन से ही संस्कारों एवं आध्यात्मिकता का समावेश जीवन में हो, तो समाज में प्रेम, भाईचारा और मानवता की भावना और अधिक मजबूत होती है। विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से बच्चों ने यह संदेश दिया कि जीवन में नम्रता और सहनशीलता अपनाकर ही सच्ची खुशियों एवं शांति को प्राप्त किया जा सकता है। ब्रांच संयोजक सतपाल सैनी ने कहा कि बचपन से ही मानवीय गुणों से भरपूर सेवा, मानवता की सीख देंगे तो ही ये बच्चे मानवता व देश हित में अपना अमूल्य योगदान प्रस्तुत करेंगे।

रायपुर से आई बहन रिया जसवानी ने कहा कि बाल संगत बच्चों के आध्यात्मिक भविष्य के लिए जरूरी है। कार्यक्रम में विशेष रूप से पंजाबी गीत, छत्तीसगढ़ नृत्य, सिंधी भाषा का सहारा लेते हुए गीत व नृत्य, उड़िया नृत्य द्वारा अनेकता में एकता का संदेश दिया।

प्लेसमेंट कर्मचारी गौतम सेवा से हटाए गए

दुर्ग। नगर पालिक निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर वायरल व्हाट्सएप चैट मामले को गंभीरता से लेते हुए प्लेसमेंट कर्मचारी गौतम साहू को सेवा से पृथक करने की कार्रवाई की है। प्राप्त शिकायत के अनुसार सोशल मीडिया पर वायरल हुए चैट स्क्रीनशॉट में हिंदू देवी–देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां किए जाने का आरोप लगाया गया था। मामले की शिकायत निगम आयुक्त को प्राप्त होने पर तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

रेलवे बनाएगा फिल्टर प्लांट, कब्जाधारियों को 15 मई तक दिया हटने का अंतिम मौका

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भिलाई–3 चरोदा निगम के अंतर्गत चरोदा रेलवे कॉलोनी जोन–1 स्थित जमीन पर रेलवे फिल्टर प्लांट बनाने की तैयारी में है। इसकी निविदा की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इसके लिए जोन –1 स्थित राजीव नगर में अवैध कब्जा कर रहने वाले 50 से अधिक परिवारों को रेलवे ने 15 दिन के भीतर जगह खाली करने की अंतिम नोटिस दिया है।

प्रत्येक घरों में नोटिस भेजा गया है। इससे पहले भी उन्हें दो बार नोटिस दिया जा चुका है। रेलवे अफसरों के साथ उनकी बैठकें हो चुकी हैं। कब्जेधारियों को अपनी बातें रखने का मौका दिया गया था। नोटिस में 5 मई 2025 के पत्र का हवाला देते हुए कहा गया है कि संबंधित लोगों ने बिना अनुमति रेलवे की भूमि पर कब्जा कर निर्माण किया है। पहले भी कई बार नोटिस दिया गया, लेकिन कब्जा नहीं हटाए जाने के कारण अब अंतिम चेतावनी दी गई है। 15 दिन में अवैध कब्जा नहीं हटाने पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए निर्माण हटाया जाएगा।

पीस ऑडिटोरियम में मना 'मातृ-दिवस' : निःस्वार्थ परमात्म प्रेम की पालना देती है मां - आशा दीदी

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में मदर्स डे को हर्षोल्लास उमंग उत्साह के साथ मनाया गया। प्रात: राजयोग सत्र के पश्चात् ब्रह्माकुमारी दीदियों ने परमात्म प्रेम की श्रेष्ठ निस्वार्थ पालन देने वाली अलौकिक मातृत्व शक्ति राजयोगिनी आशा दीदी जी के प्रति अपने आभार स्नेह पुष्प अर्पित किए।

राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी जी ने ब्रह्मा वत्सो को संबोधित करते हुए अपने आशीर्वचन में कहा की जीवन की पहली गुरु,सखा, शिक्षक मां होती हैं भले ही कभी कभी वो हमें डांटती है समझाती है,लेकिन स्वरूप शिक्षा द्वारा कल्याण का होता है।

उन्होंने कहा कि मां की निस्वार्थ शिक्षाओं को जीवन में धारण करने से जीवन यात्रा सफल होती है। जीवन कोई दो चार घंटों की नहीं होती है, सदा काल की होती है।

उन्होंने कहा, मानो कोई आपके परिवार में थोड़ा सा मायूस है, कोई पुराने दुख देने वाले संस्कार के वश है, ऐसे सम्पर्क वाली आत्मा को आपने उमंग–उत्साह दिलाया, सहयोग दिया, स्नेह दिया, यह भी सेवा का पुण्य आपका जमा होता है। धरती मां और प्रकृति के पांचों तत्वों की पालना का रिटर्न इन्हें संभालना शांति सकारात्मकता की किरणे चहुं ओर फैलाना है। सबकी जीवन में श्रेष्ठ धारणाएं मूल्य हो।

सच्चा सेवाधारी शुभ भावना देने की सेवा में भी पुण्य कमायेगा। गिरे हुए को गिराना नहीं, उठाना। सहयोग देना, इसको कहेंगे सच्चे सेवाधारी, पुण्य ,अर्थात आप सभी को अपनी श्रेष्ठ जीवन द्वारा सभी को निस्वार्थ मातृत्व स्नेह की शीतल अंचली देनी है। इस अवसर डिवाइन ग्रुप के बच्चों ने सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

बारिश से पहले चंदखुरी बस स्टैंड का सीमेंटीकरण शुरू

भिलाई। ग्राम पंचायत चंदखुरी के वार्ड क्रमांक–1 स्थित बस स्टैंड में लंबे समय से लंबित सीमेंटीकरण कार्य की शुरुआत पूजा–अर्चना के साथ की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के मौसम में कीचड़ और गड्ढों के कारण यात्रियों और दुकानदारों को रोजाना परेशानी होती थी, इसलिए यह काम जरूरी था। यह मांग पूर्व पंच और समाजसेवी भूपेन्द्र साहू ने विधायक ललित चंद्राकर के समक्ष रखी थी, जिसके बाद कार्य स्वीकृत हुआ।

खुर्सीपार में समर कैम्प का शुभारंभ, कई खेल शामिल

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। 10 मई को खुर्सीपार समर कैंप का उद्घाटन समारोह खुर्सीपार श्री राम चौक ग्राउंड में सुबह सात बजे खेल प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सुमित सिंह के दिशा निर्देश में किया गया। जिसमें खुर्सीपार, छावनी, बैकुंठ धाम, जवाहर नगर, से.1 आदि स्थानों से क्रिकेट, योगा, कराते, बैडमिंटन, बाक्सिंग, व्हालीबाल, के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

जिला कांग्रेस कमेटी भिलाई शहर खेलकूद प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस शिविर में खिलाड़ियों ने शपथ ली और खेलभावना के साथ गुब्बारे उड़ा कर विधिवत रूप से उद्घाटन किया। इस अवसर पर सुमित सिंह, गुड्डु खान, डी. कामराजू, अजहर अली, शंकर राव, माधव व प्रशिक्षक नीरज चौधरी, जितेन्द्र, चन्दन शर्मा, वीपी सिह, विमल सहित बहुत से पालक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन नाग सर ने किया।

युद्ध की आग में झुलस रहा प्लास्टिक उद्योग, दोगुने हुए दाम

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। युद्ध का असर प्लास्टिक उद्योग पर भी दिखाई देने लगा है। इसके कारण प्लास्टिक का हर तरह का सामान जहां महंगा हो गया है, वहीं इसका उत्पादन भी कम हो गया है। डिमांड भी कम हो गई है। सबसे अहम कच्चा माल प्लास्टिक दाना, जो पहले 100 रुपए किलो मिलता था, उसके दाम 180 से 200 रुपए हो गए हैं।

प्लास्टिक स्क्रैप जो पहले 70–80 रुपए किलो मिलता था उसके दाम 120 से 130 रुपए तक पहुंच गए हैं। प्लास्टिक पाउच सहित सभी तरह से प्लास्टिक सामानों के दाम 20 से 50 फीसदी तक महंगे हो गए हैं। प्लास्टिक दाना बनाने के लिए आवश्यक पेट्रोकेमिकल्स (जैसे एथिलीन, प्रोपलीन) सीधे कच्चे तेल से बनते हैं। तेल महंगा होने से प्लास्टिक की उत्पादन लागत बढ़ गई है। ऐसे में प्लास्टिक दाना महंगा हो गया है। प्लास्टिक दाना महंगा होने के कारण उससे बनने वाले सभी तरह के प्लास्टिक के सामान भी महंगे हो गए हैं।

नमकीन सहित अन्य उत्पाद, दूध, दही सहित अन्य तरह से उत्पादों की पैकिंग में काम आने वाले पाउच के दाम भी 50 फीसदी तक बढ़ गए हैं। पहले नमकीन के जो पाउच 200 रुपए किलो मिलते थे, उसके दाम अब 300 रुपए किलो हो गए हैं।

बीएसपी में बीएमडीसी प्राइड प्रतियोगिता का सफल आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल–बीएसपी के भिलाई मैनेजमेंट डेवलपमेंट सेंटर (बीएमडीसी) द्वारा ट्रेड अप्रेंटिस के बीच सीखने, नवाचार, आत्मविश्वास एवं व्यावसायिक विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विगत दिनों में बीएमडीसी प्राइड कॉम्पिटीशन के प्रथम संस्करण का सफल आयोजन किया गया। यह पहल प्रशिक्षुओं को बीएमडीसी में अपने प्रशिक्षण अवधि के दौरान अर्जित अनुभव, कार्य निष्पादन, सीख एवं योगदान को प्रस्तुत करने हेतु एक प्रभावी मंच प्रदान करने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई है।

प्रतियोगिता में सुश्री वैभव लक्ष्मी दुबे ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम बीएमडीसी प्राइड उपाधि प्राप्त करने का गौरव अर्जित किया।

दिनांक 07 मई 2026 को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान विभागाध्यक्ष एवं महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन- ज्ञानार्जन एवं विकास) संजीव कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि यह पहल अन्य विभागों के लिए भी एक आदर्श मॉडल के रूप में अपनाई जा सकती है, जिससे प्रशिक्षुओं के बीच प्रतिभा, आत्मविश्वास एवं उत्कृष्टता को प्रोत्साहन मिलेगा।

इस प्रतियोगिता की परिकल्पना महाप्रबंधक (मानव संसाधन- ज्ञानार्जन एवं विकास), बीएमडीसी सौरभ वार्ष्णेय द्वारा की गई, जिसमें विभागाध्यक्ष एवं महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन- ज्ञानार्जन एवं विकास) संजीव कुमार श्रीवास्तव द्वारा आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन प्रबंधक (मानव संसाधन) अवंती वचुला एवं उप प्रबंधक (मानव संसाधन- ज्ञानार्जन एवं विकास) सुष्मिता पाटला के निर्णायक मंडल द्वारा किया गया।

प्रतिभागियों का मूल्यांकन नवाचार, अधिगम, कार्य निष्पादन, ज्ञान साझाकरण, प्रस्तुतीकरण कौशल एवं आत्मविश्वास जैसे विभिन्न मानकों के आधार पर किया गया।

प्रतियोगिता का उद्देश्य ट्रेड अप्रेंटिस के मध्य प्रदर्शन–आधारित सहभागिता, ज्ञान साझाकरण एवं कौशल विकास की संस्कृति को सुदृढ़ करना है। प्रत्येक चक्र के विजेता को बीएमडीसी प्राइड की उपाधि के साथ रनिंग प्राइड बैज - विकास उत्कृष्टता में प्रदर्शन, उत्तरदायित्व और पहल, प्रमाण–पत्र एवं उपहार प्रदान किया जाता है।

वैशाली नगर में 15 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे, रिकेश-ललित ने दिया आशीर्वाद

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत रविवार को वैशाली नगर स्थित लोकआंगन परिसर में भव्य आदर्श सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुल 15 जोड़ों का विवाह पूरे विधि–विधान और सामाजिक रीति–रिवाज से संपन्न कराया गया।

समारोह में दुर्ग ग्रामीण के विधायक एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर और वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन मुख्य रूप से सम्मिलित हुए।

दोनों विधायकों ने नवविवाहित जोड़ों को मंच पर पुष्पवर्षा कर शुभकामनाएं दी और उनके सुखद दांपत्य जीवन की मंगलकामना की। इस अवसर पर शासन की ओर से प्रत्येक नवविवाहित जोड़े को 50,000 रुपए की आर्थिक सहायता राशि का चेक और गृहस्थी का आवश्यक सामान भेंट किया गया।

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार बेटियों के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। आज यहां 15 जोड़ों ने परिणय सूत्र में बंधकर नए जीवन की शुरुआत की है। इससे न केवल आर्थिक बोझ कम होता है बल्कि दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों को भी समाप्त करने में मदद मिलती है।

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि विवाह केवल दो आत्माओं का मिलन नहीं, दो परिवारों और समाज को जोड़ने का पवित्र संस्कार है।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास-खबर

प्रधानमंत्री आवास योजना से मगनलाल के परिवार को मिला पक्का आशियाना

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में कोंडागांव जिले में सुशासन और जनकल्याण की योजनाओं का प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। इस योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों का पक्के मकान का सपना साकार हो रहा है। जिले के ग्राम बहीगांव निवासी श्री मगनलाल गौर का परिवार भी इस योजना से लाभान्वित होकर आज सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहा है। मगनलाल गौर पहले अपने परिवार के साथ एक कच्चे मकान में निवास करते थे। हर वर्ष बरसात के मौसम में उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। मकान की खपरैल बार-बार खराब हो जाती थी, जिससे बारिश का पानी घर के अंदर टपकता था। ऐसे समय में प्रधानमंत्री आवास योजना उनके लिए उम्मीद की किरण बनकर सामने आई।
सुशासन तिहार 2026: सिमड़ा शिविर में 5 हितग्राहियों को मिला जॉब कार्ड

सुशासन तिहार 2026: सिमड़ा शिविर में 5 हितग्राहियों को मिला जॉब कार्ड

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में आयोजित सुशासन तिहार 2026 के तहत आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जा रहा है। साथ ही पात्र हितग्राहियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी मौके पर प्रदान किया जा रहा है इसी क्रम में जशपुर जिले के दुलदुला विकासखंड के ग्राम सिमड़ा में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में 5 हितग्राहियों को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत जॉब कार्ड वितरित किए गए। लाभान्वित हितग्राहियों में ग्राम मकरीबंधा के जगेश्वर राम माली, गणेश राम यादव, गुलाबचंद राम, शांता तिर्की और बालेश्वर राम शामिल हैं। जॉब कार्ड प्राप्त होने के बाद अब ये हितग्राही मनरेगा के अंतर्गत गांव में ही रोजगार प्राप्त कर सकेंगे। हितग्राहियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया।

मुख्यमंत्री साय ने दी विकास कार्यों की सौगात, 16 करोड़ रुपए के 12 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

उच्च स्तरीय पुल, आधुनिक हाट बाजार, फल-सब्जी मंडी और महतारी सदनों से ग्रामीण विकास को मिलेगी नई गति

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने जशपुर प्रवास के दौरान विकासखंड कुनकुरी अंतर्गत ग्राम पंचायत कलिबा में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न जनहितैषी विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण कर क्षेत्रवासियों को विकास की बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री साय ने कुल 16 करोड़ 5 लाख 91 हजार रुपए की लागत से 12 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इन कार्यों में उच्च स्तरीय पुल, आधुनिक हाट बाजार, फल-सब्जी मंडी, स्कूल भवन और महतारी सदनों जैसे महत्वपूर्ण निर्माण कार्य शामिल हैं, जिनसे क्षेत्र में आवागमन, शिक्षा, कृषि विपणन, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अधोसंरचना को नई मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार गांव, गरीब, किसान और अंतिम व्यक्ति तक विकास की सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सड़क, पुल, स्कूल, बाजार और महिला केंद्र जैसी आधारभूत सुविधाएं केवल

निर्माण कार्य नहीं हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन को मजबूत बनाने का माध्यम हैं। इन कार्यों से लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आएगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में नए अवसरों का सृजन होगा।

मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम में कुल 12 करोड़ 86 लाख 3 हजार रुपए की लागत से 8 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन बोर्ड के माध्यम से ग्राम पंचायत कलिबा में 57 लाख 66 हजार रुपए की लागत से आधुनिक हाट बाजार का निर्माण कराया जाएगा, जिसमें कव्हर्ड शेड, बोरवेल एवं सीसी रोड जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसी प्रकार ग्राम पंचायत बेहराखार में 80 लाख 59 हजार रुपए की लागत से आधुनिक हाट बाजार का निर्माण किया जाएगा। इन बाजारों के बनने से किसानों और ग्रामीण व्यापारियों को अपनी उपज बेचने के लिए बेहतर एवं सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा तथा स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। लोक निर्माण विभाग (सेतु) द्वारा कलिबा-टांगरबहार (बैगाटोली) मार्ग पर 5 करोड़ 11 लाख 6 हजार रुपए की लागत से उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण किया जाएगा। वहीं बांसपतरा-दुलदुला मार्ग पर चांपाझरिया नाला में 5 करोड़ 90 लाख 80 हजार रुपए की लागत से उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग बनाया जाएगा। इन पुलों के निर्माण से विशेषकर बरसात के दिनों में आवागमन सुगम होगा और ग्रामीणों को लंबे समय से चली आ रही कठिनाइयों से राहत मिलेगी। इसके साथ ही पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत प्राथमिक शाला कोरवाडेरा, प्राथमिक शाला डडगांव, माध्यमिक शाला बालक नारायणपुर तथा प्राथमिक शाला लालगोड़ा के नवीन भवन निर्माण कार्यों का भी भूमिपूजन किया गया। इन भवनों के निर्माण से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम में कुल 3 करोड़ 19 लाख 88 हजार रुपए की लागत से पूर्ण हुए 4 विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया। कृषि उपज मंडी समिति जशपुर द्वारा ग्राम पंचायत कंडोरा (महुआटोली) स्थित उपमंडी कुनकुरी में 2 करोड़ 45 लाख 78 हजार रुपए की लागत से निर्मित फल-सब्जी मंडी, गोदाम, प्लेटफार्म, टायलेट, पार्किंग एवं सीसी रोड का लोकार्पण किया गया। इस आधुनिक मंडी के शुरू होने से किसानों एवं व्यापारियों को कृषि उपज के भंडारण, परिवहन और विपणन की बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

इसके अतिरिक्त पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा ढोढ़ीबहार, नारायणपुर एवं केराड़ीह में निर्मित महतारी सदनों का भी लोकार्पण किया गया। प्रत्येक महतारी सदन 24 लाख 70 हजार रुपए की लागत से निर्मित हुआ है। इन केंद्रों में महिलाओं को बैठक, प्रशिक्षण, स्व-सहायता समूह गतिविधियों एवं सामाजिक आयोजनों के लिए सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा, जिससे महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास को प्राथमिकता देते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। पुल और सड़कों के निर्माण से ग्रामीण संपर्क मजबूत होगा।

निश्चय कार्यक्रम- रायपुर जेल के 67 बंदियों को मिला कौशल प्रमाण-पत्र

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना निश्चय के अंतर्गत आज केंद्रीय जेल और महिला जेल, रायपुर में एक विशेष गरिमामयी समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा बंदियों को अपराध की दुनिया से दूर कर स्वावलंबन और सम्मानजनक जीवन की ओर अग्रसर करना है।

ज़ेन जी युवा बंदियों को अपराध के दलदल में वापिस जाने से रोकने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ की सभी जेलों में निश्चय कार्यक्रम संचालित है। इस कार्यक्रम में युवा बंदियों को कॉउंसलिंग, अपराध बोध का ज्ञान, स्व-रोजगार उन्मुख कौशल प्रशिक्षण एवं रिहाई उपरांत स्वरोजगार हेतु बैंक के माध्यम से ऋण प्रदाय किया जाता है।

समारोह के दौरान कुल 67 बंदियों को उनकी प्रशिक्षण अवधि पूर्ण होने पर कौशल विकास प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इनमें 38 महिला बंदिनी और 29 पुरुष बंदी शामिल हैं। निश्चय कार्यक्रम का उद्देश्य उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत के सहयोग से संचालित इस अभियान के तहत बंदियों को अपराध बोध का ज्ञान, मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग, और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण दिया जाता है। डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय जेल, रायपुर में आज कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र का विधिवत शुभारंभ किया गया। अब बंदी जेल के भीतर ही कंप्यूटर का बुनियादी और उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे, जो रिहाई के बाद उनके रोजगार के अवसरों को बढ़ाएगा।

आगामी लोन मेला स्वरोजगार के लिए वित्तीय सहायता

बंदियों के पुनर्वास को केवल प्रशिक्षण तक सीमित न रखते हुए, उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की तैयारी भी पूरी कर ली गई है। 13 मई 2026 को इंडियन ओवरसीज बैंक द्वारा केंद्रीय जेल परिसर में लोन मेला लगाया जाएगा, जिसका उद्देश्य रिहा होने वाले बंदियों को स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के लिए सुगमता से ऋण उपलब्ध कराना।

इस अवसर पर डीजी (जेल) हिमांशु गुप्ता, जेल अधीक्षक योगेश सिंह क्षत्री, महिला जेल प्रभारी गरिमा पांडेय सहित जेल प्रशासन के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सुशासन तिहार से संवरी जोधन राम की खेती

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार प्रदेश के किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हो रहा है। इस अभिनव पहल के माध्यम से अंतिम छोर तक बसे लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से मिल रहा है। सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत लक्ष्मणगढ़ के किसान जोधन राम इसकी जीवंत मिसाल हैं, जिनकी खेती को अब नई मजबूती मिली है।

जोधन राम ने सुशासन तिहार के तहत आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के लिए आवेदन किया था। जिला प्रशासन की तत्परता और कार्यकुशलता के चलते उनका आवेदन शीघ्र स्वीकृत हुआ और उन्हें किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध करा दिया गया।

जोधन राम बताते हैं कि पहले इस प्रकार की प्रक्रियाओं में काफी समय लग जाता था, लेकिन अब शासन की संवेदनशील व्यवस्था के कारण गांव में ही समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है।

किसान क्रेडिट कार्ड मिलने से जोधन राम को अब खेती के लिए आवश्यक खाद, बीज और अन्य कृषि सामग्री समय पर उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने कहा कि खेती-किसानी में समय का बहुत महत्व होता है और संसाधनों की समय पर उपलब्धता से फसल उत्पादन बेहतर होगा तथा आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।

पुरूषों के वर्चस्व वाले एक और क्षेत्र में पैर जमाने महिलाएं तैयार

आर-सेटी में 20 महिलाओं को वायरिंग, स्विच बोर्ड सुधार एवं विद्युत उपकरणों की मरम्मत का प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पुरूषों के वर्चस्व वाले एक और क्षेत्र में पैर जमाने एवं अपनी पहचान स्थापित करने महिलाएं एक बार फिर तैयार हैं। महिलाओं के लिए अब तक अछूते रहे 'इलेक्ट्रिशियन' का काम सीख कर महिलाएं रोजगार की एक नई राह पर कदम बढ़ा रही हैं। ग्रामीण महिलाओं के लिए एक नए क्षेत्र में रोजगार के अवसर खोलने बिलासपुर के कोनी स्थित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आर-सेटी) में विभिन्न गांवों की 20 महिलाओं को इलेक्ट्रिशियन के काम का प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद ये महिलाएं अब एक नए आकाश में उड़ान के लिए तैयार हैं।

आर-सेटी बिलासपुर में महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए एक नई पहल की गई है। अब ग्रामीण महिलाएं केवल सिलाई,

बुनाई या पारंपरिक रोजगार तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वे उन क्षेत्रों में भी अपनी पहचान बना रही हैं जिन्हें वर्षों से पुरुष प्रधान माना जाता रहा है। 'बिहान' (राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन) से जुड़ी बिलासपुर जिले की 20 महिलाएं इस बदलाव की मिसाल पेश कर रही हैं। एक नए व्यवसाय इलेक्ट्रिशियन का प्रशिक्षण लेकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा रही हैं।

बिलासपुर के ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में इस साल पहली बार महिलाओं के लिए इलेक्ट्रिशियन का प्रशिक्षण शुरू किया गया। महिलाओं को तकनीकी कौशल प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाने और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए इसकी शुरूआत की गई है। यहां प्रशिक्षण ले चुकीं रतनपुर की बिहान दीदी आबिदा कहती हैं - शुरू में लगा था कि बिजली का कार्य केवल पुरुष ही कर सकते हैं। लेकिन प्रशिक्षण के दौरान उनकी यह सोच पूरी तरह बदल गई। कुशल प्रशिक्षकों ने उन्हें वायरिंग, स्विच बोर्ड सुधार, घरेलू विद्युत उपकरणों की मरम्मत, सुरक्षा उपाय और तकनीकी जानकारी सरल तरीके से सिखाई। आबिदा बताती हैं कि अब वे आत्मविश्वास के साथ घर के बिजली संबंधी कार्य स्वयं कर लेती हैं और भविष्य में इसी कौशल के माध्यम से अपनी आय बढ़ाने की योजना बना रही हैं। वे बताती हैं कि पहले छोटी-छोटी बिजली खराबियों के सुधार के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब वे न केवल अपने घर की समस्याएं हल कर पाएंगी, बल्कि आसपास के लोगों की मदद भी कर सकती हैं। आबिदा का मानना है कि यह प्रशिक्षण ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता की नई राह खोल रहा है। आर-सेटी से प्रशिक्षित मस्तूरी के डोमगांव की तिगमती डहरिया ने बताया कि उन्हें पहले से ही बिजली के कार्यों में रुचि थी और वे एक निजी कंपनी में इलेक्ट्रिशियन के रूप में कार्य कर रही थीं। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उनके तकनीकी ज्ञान और आत्मविश्वास में और अधिक वृद्धि हुई है। तिगमती बताती हैं कि इस प्रशिक्षण ने उन्हं आधुनिक तकनीकों और सुरक्षा मानकों की बेहतर समझ दी है। जब उनसे जोखिम भरे कार्य के बारे में पूछा गया तो उन्होंने आत्मविश्वास से कहा कि यदि सावधानी, सही तकनीक और सुरक्षा नियमों का पालन किया जाए।

शासन की जमीनी तस्वीर: सिलफिली बाजार में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का औचक भ्रमण, आमजन से सीधा संवाद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश में सुशासन को व्यवहारिक रूप देने की दिशा में सरकार की पहलें अब जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी हैं। इसी क्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने आज सुबह सूरजपुर जिले के भटगांव विधानसभा क्षेत्र के सिलफिली बाजार का औचक दौरा कर आमजन से सीधे संवाद किया।

मंत्री राजवाड़े ने सब्जी मंडी एवं बाजार क्षेत्र की विभिन्न दुकानों का पैदल भ्रमण करते हुए व्यापारियों, ग्रामीणों और महिलाओं से आत्मीय बातचीत की। उन्होंने बिना किसी औपचारिकता के लोगों के बीच पहुंचकर उनका हालचाल जाना और दैनिक जीवन से जुड़ी समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान कई नागरिकों ने स्थानीय सुविधाओं, बाजार व्यवस्था एवं अन्य आवश्यकताओं से संबंधित मुद्दे साझा किए।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए समस्याओं के शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं होगी।

भ्रमण के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने नागरिकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों एवं जरूरतमंद वर्गों के लिए संचालित योजनाओं का उल्लेख करते हुए पात्र हितग्राहियों से उनका अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान बना जीवन रक्षक संजीवनी

सुकमा जिले के 1 लाख 54 हजार 157 लोगों की स्वास्थ्य जांच पूरी, नियद नेल्लानार के 39 मरीजों को जिला अस्पताल में मिला बेहतर इलाज

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में सुकमा जिले में मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत स्वास्थ्य जांच और उपचार कार्य तेजी से संचालित किया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ एवं अंदरूनी क्षेत्रों के जरूरतमंद नागरिकों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। इसी क्रम में कोंटा विकासखंड के दूरस्थ नियद नेल्लानार क्षेत्र के अरलमपल्ली, पोलमपल्ली, दोरनापाल, बगड़ेगुड़ा, रंगाईगुड़ा, कोलईगुड़ा एवं पेंटापाड़ जैसे गांवों से कुल 39 मरीजों को जिला चिकित्सालय सुकमा लाकर जांच एवं उपचार कराया गया।

जिला चिकित्सालय में इन मरीजों का समुचित परीक्षण कर उपचार सुनिश्चित किया गया, जिसमें 16 लोगों को प्रेसबायोपिक चश्मा प्रदान किया गया तथा 8 मरीजों का मोतियाबिंद ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया। वहीं नियद नेल्लानार के गोगुंडा पहाड़ी क्षेत्र से 5 उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित लाकर जांच कराई गई और आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श के साथ वापस भेजा गया। इसके अतिरिक्त कोसागुड़ा से 6 मरीजों को अल्ट्रासाउंड एवं रक्त चढ़ाने हेतु भेजा गया था, जबकि 4 मरीज हाथ-पैर सूजन की समस्या से पीड़ित थे, जिनका भी उपचार कर राहत प्रदान की गई।

जिला चिकित्सालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत सुकमा जिले में कुल स्वास्थ्य जांच का लक्ष्य 2,93,386 निर्धारित किया गया है, जिसमें से अब तक 1,54,157 लोगों की स्वास्थ्य जांच पूरी की जा चुकी है। जांच के दौरान कुल 4990 मरीजों को मोतियाबिंद, मलेरिया, कुष्ठ, टीबी, खून की कमी, उच्च जोखिम गर्भवती महिला, कुपोषित बच्चे, बीपी और शुगर जैसी बीमारियों से चिन्हांकित कर प्राथमिक, सामुदायिक एवं जिला अस्पतालों में उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

कलेक्टर अमित कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के माध्यम से जिले के दूरस्थ एवं अंदरूनी क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि कोई भी जरूरतमंद नागरिक इलाज से वंचित न रहे। अभियान के अंतर्गत चिन्हांकित मरीजों को समय पर जिला चिकित्सालय लाकर जांच, उपचार, ऑपरेशन एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मानवीय संवेदनशीलता और प्रशासनिक तत्परता का परिचय देते हुए सभी मरीजों का इलाज पूर्ण कराने के बाद उन्हें सुरक्षित घर वापस भेजने की व्यवस्था भी की गई। सुबह 6 बजे जिला अस्पताल में 4 एम्बुलेंस लगाकर मरीजों को नाश्ता कराया गया और फिर उन्हें उनके गांवों तक पहुंचाया गया। यह व्यवस्था इस बात का प्रमाण है कि शासन-प्रशासन दूरस्थ अंचलों के लोगों की स्वास्थ्य जरूरतों को गंभीरता से लेते हुए उन्हें सम्मान और सुरक्षा के साथ इलाज उपलब्ध करा रहा है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

'रिश्ते सुधारने का मिला मौका, सिद्धार्थ ने भी दिया साथ'

कियारा आडवाणी ने बताया मां बनने के बाद बदली जिंदगी

आज मदर्स डे है। इस मौके पर कियारा आडवाणी ने मां बनने के तुरंत बाद का अनुभव बताया है। उन्होंने बताया है कि इस बीच उनमें क्या बदलाव आया। उन्होंने बताया कि सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कैसे उनका साथ दिया था।

एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने बच्चे के जन्म के बाद के पोस्टपार्टम दौर के बारे में बात की है। उन्होंने बताया है कि इस दौरान उन्हें किन-किन भावनात्मक बदलावों से गुजरना पड़ा और उनके पति, एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा से उन्हें कितना सहारा मिला है। कियारा जुलाई 2025 में मां बनने के बाद की जिंदगी के बारे में सोचते हुए भावुक हो गईं। उन्होंने इस दौर को अपनी जिंदगी का एक बड़ा बदलाव बताया।

अपने साथ वक्त बिताने का मिला समय

राज शमानी के साथ बातचीत में कियारा आडवाणी ने कहा कि उन्हें यह समझने में कई महीने लग गए कि वह किस दौर से गुजर रही हैं। उन्होंने कहा 'यह पूरी तरह से एक नई दुनिया है।' 34 साल की कियारा ने कहा, 'आपको एहसास होता है कि आप दूसरों के लिए कितना कुछ कर रहे हैं। आप उस रिश्ते के बारे में भूल जाते हैं जो आपको खुद के साथ बनाना चाहिए। आप उन बातों के बारे में भी भूल जाते हैं जो आपको खुद से कहनी चाहिए।

मैं हमेशा दूसरों पर ही ज्यादा ध्यान देती रही हूं। मेरे बच्चे के जन्म के बाद जो बदलाव आया है, वह यह है कि मुझे आखिरकार खुद के साथ अपने रिश्ते को संवारने का समय मिल गया है, और शायद यह सबसे अच्छी बात है।'

सिद्धार्थ ने दिया कियारा का साथ

कियारा ने इस दौर में अपने पति सिद्धार्थ मल्होत्रा की भूमिका के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि अपने काम में बहुत व्यस्त होने के बावजूद, सिद्धार्थ ने छोटे-छोटे लेकिन बहुत ही मायने रखने वाले प्रयास किए। उन्होंने कहा कि कई दिन ऐसे भी आते थे, जब उनकी भावनाएं उन पर इतनी हावी हो जाती थीं। छोटी-छोटी बातें भी उनकी आंखों में आंसू ला देती थीं। उस दौरान सिद्धार्थ अपनी फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त थे, लेकिन फिर भी वह उनके साथ समय निकालने की पूरी कोशिश करते थे। अक्सर काम खत्म करने के बाद, वह देर रात उनकी मां के घर उनसे मिलने आते थे। डॉक्टर की सलाह पर, सिद्धार्थ उन्हें रात में थोड़ी देर के लिए घुमाने भी ले जाते थे।

कब मां बनीं कियारा?

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने फरवरी 2023 में शादी की और जुलाई 2025 में उनकी बेटी, सारायाह का जन्म हुआ। कियारा जल्द ही फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आने वाली हैं।

इस साल कान फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करेंगी कल्याणी प्रियदर्शन

बोलीं- बिना दबाव के आगे बढ़ना चाहती हूं

'लोका चैप्टर वन: चंद्रा' की सफलता से सुर्खियां बटोरने वाली अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन अब इंटरनेशनल लेवल पर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। कल्याणी प्रियदर्शन 14 मई को कान फिल्म फेस्टिवल में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। यह कल्याणी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में से एक में अपने डेब्यू पर अब कल्याणी ने खुशी जताई है।

कल्याणी प्रियदर्शन ने बताया सुखद अनुभव

कान फिल्म फेस्टिवल में अपने डेब्यू को लेकर कल्याणी ने कहा कि कान फिल्म फेस्टिवल हमेशा से सिनेमा का एक प्रतिष्ठित उत्सव रहा है, इसलिए इस साल वहां होना बहुत खास लग रहा है। 'लोका चैप्टर वन: चंद्रा' को मिले प्यार के लिए मैं आभारी हूं। मुझे लगता है कि भारतीय सिनेमा को इस समय ग्लोबली एक शानदार तरीके से पहचान मिल रही है। ऐसे में लोका के जरिए इंटरनेशनल लेवल पर पहचान बनाना और अब कान फिल्म फेस्टिवल जैसे मंच का अनुभव करना काफी अच्छा लग रहा है और एक सुखद अनुभव है।

खुद पर दबाव नहीं डालना चाहती

कान फिल्म महोत्सव के लिए अपनी तैयारियों के बारे में बात करते हुए कल्याणी ने कहा कि मैं बस पूरे अनुभव का आनंद लेना चाहती हूं और खुद पर ज्यादा दबाव डाले बिना आसानी से आगे बढ़ना चाहती हूं।

12 से 23 मई तक होगा कान फिल्म फेस्टिवल का आयोजन

79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 का आयोजन 12 मई से 23 मई तक किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित वार्षिक समारोह हर साल की तरह फ्रांस के फ्रेंच रिवेरा के कान शहर के 'पैलेस डेस फेस्टिवल्स' में किया जाएगा।

कान फिल्म फेस्टिवल में हर साल कई भारतीय सेलेब्स अपनी मौजूदगी दर्ज कराते हैं। अब इसी लिस्ट में कल्याणी प्रियदर्शन का भी नाम शामिल होने जा रहा है।

फिल्म पति पत्नी और वो 2 से जारी हुआ धमाकेदार गाना, रैपर बादशाह ने बांधा समां

आयुष्मान खुराना अपनी पत्नी और प्रेमिकाओं के साथ 15 मई को सिनेमाघरों में आ रहे हैं। जी हां, यहां बात उनकी आगामी फिल्म पति पत्नी और वो 2 की हो रही है, जिसमें सारा अली खान, रकुल प्रीत सिंह और वामिका गब्बी हैं। इन तीनों के बीच में आयुष्मान बेचारा पति बनकर फंसे हुए हैं। खैर ट्रेलर पहले से लोगों को फिल्म देखने के लिए उत्साहित कर चुका है। अब एक धमाकेदार गाना भी आ गया है।

गाने का नाम हमने वहीं लगाया दिल है, जिसे टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर स्ट्रीम किया गया है। रैपर बादशाह ने हितेन के साथ मिलकर इसे कंपोज किया है। हालांकि गाने में रैप और संगीत उन्होंने अकेले दिया है। आवाज 2 भाइयों, कृष मंडल और किशोर मंडल की है जो यूट्यूब पर वायरल गायकों में से एक हैं। इसमें उनका साथ इप्सिता ने दिया है। जोशीले संगीत वाला यह गाना लोगों को काफी पसंद आ रहा है।

बता दें कि पति पत्नि और वो नाम की पहली फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे ने लीड रोल निभाया था। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी और लोगों को खूब पसंद आई थी। बॉक्स ऑफिस पर सफलता के बाद अब इसी तरह की एक और फिल्म रिलीज के लिए तैयार है। 15 मई को रिलीज होने वाली इस फिल्म से मेकर्स को अच्छी उम्मीदें हैं। अब देखना होगा कि क्या ये फिल्म भी कमाई के मामले में कुछ कमाल कर पाती है या नहीं। ट्रेलर रिलीज होते ही फैन्स का भी इंतजार खत्म हो गया है। फिल्म के ट्रेलर में इसकी कहानी की भी झलक देखने को मिल रही है। फिल्म में दमदार कॉमेडी देखने को मिलने वाली है। विजय राज जैसे कमाल के कलाकार भी इस फिल्म में अपनी दमदार एक्टिंग का जलवा दिखाते नजर आने वाले हैं।

इंडस्ट्री में काम करने के तरीके पर बोलीं सई मांजरेकर, ट्रेंड नहीं, बल्कि मजबूत कहानियों पर मेरा फोकस

मनोरंजन की दुनिया में अक्सर देखा जाता है कि कलाकार तेजी से सफलता पाने और ट्रेंड के साथ चलने की कोशिश करते हैं। लेकिन एक्ट्रेस सई मांजरेकर इससे बिल्कुल उलट सोच रखती हैं। उनका मानना है कि एक अच्छा कलाकार बनने के लिए समय देना जरूरी होता है और हर प्रोजेक्ट सोच-समझकर चुनना चाहिए, ताकि उनका काम लंबे समय तक लोगों के दिलों में बना रहे।

सई मांजरेकर ने अपने काम करने के तरीके को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, अब मुझे यह समझ में आ गया है कि एक एक्टर के तौर पर खुद को समय देना बहुत जरूरी होता है। मैं आजकल के ट्रेंड के पीछे भागने में विश्वास नहीं रखती, बल्कि ऐसे काम करना चाहती हूं, जो एक कलाकार के रूप में मुझे आगे बढने् में मदद करें। मेरा मानना है कि जब कोई काम दिल से किया जाता है, तो वह लोगों पर गहरी छाप छोड़ता है और लंबे समय तक याद रखा जाता है। सई ने आगे कहा, मैं हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को बेहतर बनाना चाहती हूं। जल्दबाजी में काम करने के बजाय अपने ही तरीके से आगे बढना् पसंद करती हूं। मेरे लिए करियर में लंबा टिके रहना तभी संभव है, जब मैं अपने काम के प्रति ईमानदार रहूंगी और वही कहानियां चुनूंगी, जिनसे मैं खुद भी जुड़ाव महसूस करती हूं।

उन्होंने कहा कि इस सोच के साथ वह अपने हर किरदार में सच्चाई और गहराई लाने की कोशिश करती हैं।

बता दें कि सई मंजरेकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म इंडिया हाउस को लेकर चर्चा में है। यह फिल्म आज़ादी से पहले के दौर की कहानी पर आधारित है, जिसमें उस समय के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं को बड़े स्तर पर दिखाया जाएगा। इस फिल्म को राम चरण अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए प्रोड्यूस कर रहे हैं, और यह उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट भी है।

फिल्म को हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया जा रहा है।

माइक्रोवेव में आसानी से बनाएं स्वादिष्ट पोहा, आसान है इसकी रेसिपी

पोहा एक स्वादिष्ट और पौष्टिक नाश्ता है, जिसे सुबह के समय खाना पसंद किया जाता है। इसे बनाने में ज्यादा समय नहीं लगता और यह जल्दी तैयार हो जाता है। अगर आपके पास समय की कमी है, तो आप माइक्रोवेव का उपयोग करके पोहा आसानी से बना सकते हैं। आइए जानते हैं माइक्रोवेव में पोहा बनाने का तरीका, जिससे आप कुछ ही मिनटों में स्वादिष्ट पोहा तैयार कर सकते हैं।

जरूरी सामग्री

पोहा बनाने के लिए आपको पतला चावल, प्याज, हरी मिर्च, हल्दी पाउडर, नमक, नींबू का रस, मूंगफली, करी पत्ता और हरा धनिया जैसी चीजों की जरूरत होगी। इसके अलावा आप अपनी पसंद की सब्जियां जैसे मटर, गाजर या शिमला मिर्च भी मिला सकते हैं। इन सामग्रियों से आप एक पौष्टिक और स्वादिष्ट नाश्ता बना सकते हैं, जो न केवल पेट को भरेगा बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद होगा।

पोहा भिगोएं

माइक्रोवेव में पोहा बनाने के लिए सबसे पहले पोहे को पानी में भिगो दें। इसके लिए एक बड़े बर्तन में पोहे डालकर उस पर पानी डालें और उन्हें 5-10 मिनट तक भिगोने दें। इससे पोहे नरम हो जाएंगे और पकाने में आसानी होगी। ध्यान रखें कि पोहे को ज्यादा देर तक पानी में न रखें, क्योंकि इससे वे चिपचिपे हो सकते हैं और स्वाद खराब हो सकता है।

प्याज और मसाले भूनें

अब माइक्रोवेव के बर्तन में थोड़ा तेल डालकर उसे गर्म करें, फिर उसमें कटा हुआ प्याज डालें और उसे 1-2 मिनट तक भूनें जब तक कि वह नरम न हो जाए। इसके बाद इसमें कटी हुई हरी मिर्च और हल्दी पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को 2-3 मिनट तक माइक्रोवेव में पकाएं ताकि सभी मसाले अच्छी तरह से मिल जाएं और उनकी खुशबू निकलने लगे।

पोहे मिलाएं

अब भिगोए हुए पोहे को छानकर माइक्रोवेव के बर्तन में तैयार प्याज वाले मिश्रण में डालें और अच्छे से मिलाएं। इसके बाद इस मिश्रण पर नींबू का रस निचोड़ें और ऊपर से भुनी हुई मूंगफली डालें। मूंगफली पोहे को एक कुरकुरापन देती है, जिससे इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। आप चाहें तो इसमें और भी सब्जियां डाल सकते हैं, जैसे मटर, गाजर या शिमला मिर्च, जिससे पोहा और भी पौष्टिक बन जाएगा।

अंतिम स्टेप

अब माइक्रोवेव को मध्यम आंच पर सेट करके उसमें तैयार पोहे को 2-3 मिनट तक गर्म करें, ताकि सभी मसाले अच्छे से मिल जाएं। इसके बाद इसे एक प्लेट में निकालकर ऊपर से हरा धनिया डालकर सजाएं और गर्मागर्म परोसें। इस तरह से आप आसानी से माइक्रोवेव में स्वादिष्ट पोहा तैयार कर सकते हैं, जो न केवल स्वादिष्ट है बल्कि सेहत के लिए भी अच्छा है। इसे अपने परिवार और दोस्तों के साथ जरूर साझा करें।

46 की उम्र में काम्या पंजाबी के ग्लैमरस लुक ने बढ़ाया तापमान

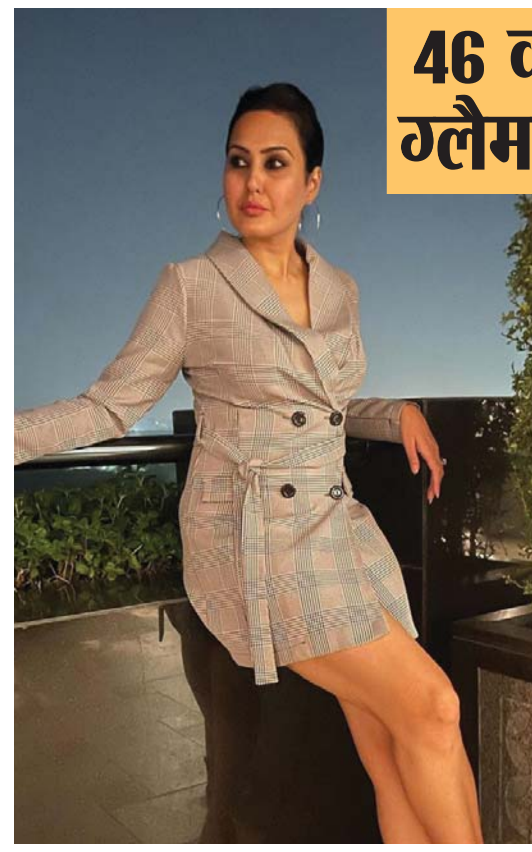

टीवी एक्ट्रेस काम्या पंजाबी इन दिनों अपने पति के साथ छुट्टियां एंजॉय करती नजर आ रही हैं। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें शेयर की है, जिसमें उनकी पति शलभ डांग के साथ उनकी जोड़ी बहुत शानदार लग रही है। 46 साल की उम्र में भी काम्या का ये बोल्ड लुक देखकर फैंस इन फोटोज पर अपना प्यार बरसा रहे हैं।

इस तस्वीर में काम्या अपने पति शलभ डांग को प्यार से देख रही है, वहीं शलभ भी प्यार से देखते नजर आए। बीच के पास काम्या का ये मिरर फोटो फैंस को बहुत पसंद आ रहा है। साथ ही वो इस लुक में बहुत ग्लैमरस लग रही हैं। बालकनी से काम्या का ये फोटो बहुत खूबसूरत है। पिंक कलर के इस ड्रेस में उनका बोल्ड अंदाज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

इस फोटो में शलभ और काम्या की जोड़ी बहुत प्यारी लग रही है। शलभ का भी डैशिंग अंदाज खूब सुर्खियां बटोर रहा है। इस फोटो में काम्या अपने करीबी दोस्त के साथ इस सुंदर नजारे को एंजॉय करती हुई दिखाई दे रही हैं। खूबसूरत लोकेशन पर उनकी ये मिरर इमेज उनके हॉलीडे को खास और यादगार बना रही है। व्हाइट शर्ट और ब्लैक शॉर्ट्स में काम्या का मस्तीभरा अंदाज सभी का ध्यान खींच रहा है। वही शलभ का ऑल ब्लैक लुक भी शानदार है।

खास खबर

सहायक उपकरण वितरण से दिव्यांगजनों को मिली नई दिशा

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन का सुशासन तिहार अभियान अब जमीनी स्तर पर जनकल्याण की प्रभावी मिसाल बनता जा रहा है। समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराने की पहल ने हजारों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। वर्ष 2023 से अब तक विभाग द्वारा 2 हजार से अधिक सहायक उपकरण—जिनमें मोटराइज्ड ट्राइसिकल, ट्राइसाइकिल सहित अन्य उपकरण शामिल हैं—जरूरतमंद हितग्राहियों को प्रदाय किए जा चुके हैं। बिलासपुर जिले के कोटा विकासखंड के ग्राम नागपुरा निवासी 12वीं के छात्र अनिल कुमार, जो 70 प्रतिशत दिव्यांग हैं, उनके लिए 12 किलोमीटर दूर स्कूल जाना बड़ी चुनौती थी। सुशासन तिहार के समाधान शिविर में समस्या रखने पर उन्हें मौके पर ही मोटराइज्ड ट्राइसिकल प्रदान की गई। अब वे बिना किसी सहारे के समय पर स्कूल पहुँचकर अपनी पढ़ाई जारी रख पा रहे हैं। धमतरी जिले के कुरूद विकासखंड के ग्राम सिवनीकला निवासी जीवन श्री लाल साहू, जो वर्षों से घुटनों के बल चलने को मजबूर थे, उन्हें सुशासन तिहार के शिविर में निःशुल्क ट्राइसाइकिल प्रदान की गई। अब वे खेतों तक आसानी से पहुँचने के साथ सामाजिक जीवन में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उनके लिए यह उपकरण आत्मसम्मान और स्वतंत्रता का प्रतीक बन गया है।

नेशनल लोक अदालत में 95 हजार से अधिक प्रकरणों का निराकरण

गरियाबंद। जिला एवं अपर सत्र न्यायालय गरियाबंद सहित जिले के सभी व्यवहार एवं राजस्व न्यायालयों में शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देश पर आयोजित इस लोक अदालत में कुल 95 हजार 326 प्रकरणों का निराकरण किया गया तथा 85 लाख 86 हजार 538 रुपये की राशि का एवार्ड एवं रिकवरी कराई गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायपुर के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रायपुर बलराम प्रसाद वर्मा के निर्देशानुसार आयोजित लोक अदालत में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश गरियाबंद एवं तालुका विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष श्री बी.आर. साहू, अपर सत्र न्यायाधीश एफ्टीएससी गरियाबंद गंगा पटेल, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी गरियाबंद कु. खुशबू जैन, न्यायिक मजिस्ट्रेट वरिष्ठ श्रेणी देवभोग कांची अग्रवाल तथा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी राजिम अंशुल वर्मा की खंडपीठों में विभिन्न प्रकरणों का निराकरण किया गया। बी.आर. साहू की खंडपीठ में लंबित और प्री-लिटिगेशन सहित 45 प्रकरणों का निराकरण कर 50 लाख 55 हजार 758 रुपये का एवार्ड पारित किया गया। प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण कर 4 लाख 92 हजार 978 रुपये की राशि अदा कराई गई। श्रीमती कांची अग्रवाल की खंडपीठ में 1052 प्रकरणों का निराकरण कर 6 लाख 63 हजार 770 रुपये तथा अंशुल वर्मा की खंडपीठ में 547 प्रकरणों का निराकरण कर 17 लाख 83 हजार 432 रुपये की राशि अदा कराई गई।

सुशासन तिहारः मुख्यमंत्री साय ने किया मुंगेली नगर के चौक-चौराहों में स्थापित प्रतिमाओं का अनावरण

डॉ. भीमराव अंबेडकर, बाबा गुरु घासीदास, महाराणा प्रताप और भक्त माता कर्मा की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर किया नमन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। शासकीय योजनाओं का लाभ लोगो को प्राप्त हो, यह सुनिश्चित करने के साथ ही सुशासन को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से सुशासन तिहर अंतर्गत समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज मुंगेली जिले के प्रवास पर पहुंचे।

इस दौरान उन्होंने मुंगेली नगर के चौक-चौराहों में महापुरुषों एवं संतों की प्रतिमाओं का अनावरण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। प्रतिमाओं के अनावरण कार्यक्रम के दौरान नगर में उत्साह, श्रद्धा और गौरव का वातावरण रहा। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विधायक पुन्नू लाल मोहले, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री साय ने कलेक्टोरेट कार्यालय के पास भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण कर संविधान निर्माता को श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने भारतीय संविधान के माध्यम से देश को समानता, न्याय और अधिकारों की मजबूत आधारशिला प्रदान की। उनका जीवन शिक्षा, संघर्ष और सामाजिक परिवर्तन की प्रेरणादायी मिसाल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बाबा साहब के विचारों को आत्मसात करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके पश्चात मुख्यमंत्री साय ने दाऊपारा स्थित गुरु घासीदास बाबा की प्रतिमा का विधिवत अनावरण करते हुए कहा कि बाबा गुरुघासीदास ने सत्य, अहिंसा और समानता का संदेश देकर समाज को नई दिशा दी। उनके विचार आज भी समाज को एकता, भाईचारे और सामाजिक समरसता

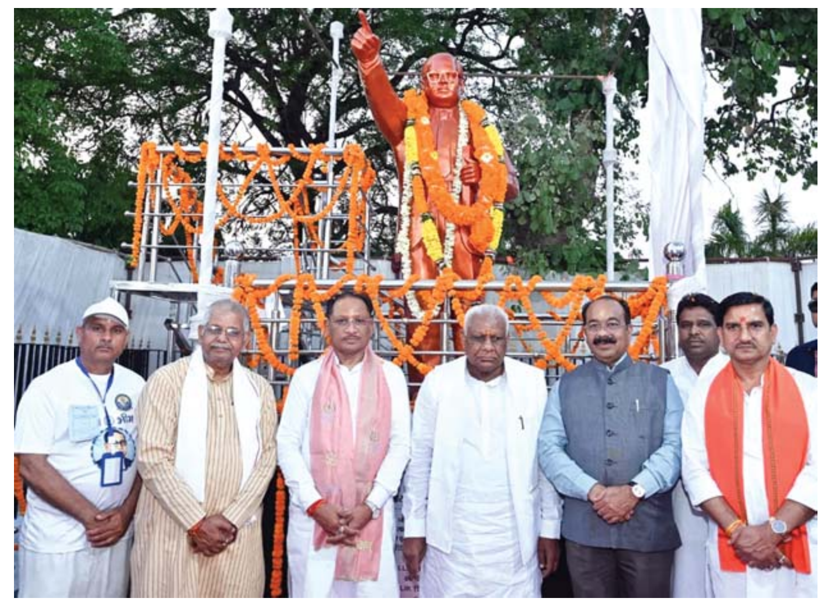

की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार संतों और महापुरुषों की विरासत को संरक्षित करने तथा नई पीढ़ी तक उनके आदर्शों को पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने पड़ाव चौक में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने महाराणा प्रताप को भारतीय इतिहास का महान योद्धा बताते हुए कहा कि उनका जीवन साहस, त्याग, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की अमर गाथा है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से महाराणा प्रताप के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र हित में सक्रिय भूमिका निभाने कहा।

मुख्यमंत्री साय ने रायपुर रोड तिराहा में भक्त माता कर्मा की प्रतिमा का भी अनावरण किया। उन्होंने कहा कि भक्त माता कर्मा सेवा, श्रद्धा और समर्पण की प्रतीक हैं। उनका जीवन समाज को मानव सेवा, भक्ति, परोपकार और संस्कारों की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री साय ने प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। स्थानीय नागरिकों एवं समाज प्रमुखों ने प्रतिमा स्थापना को जिले के लिए गौरवपूर्ण पहल बताते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

सुशासन तिहार में लापरवाही पर प्रशासन सख्तः कलेक्टर ने दिए सख्त चेतावनी

श्रीकंचनपथ समाचार

सक्ती। जिले में आयोजित सुशासन तिहार 2026 को आम जनता के लिए अधिक प्रभावी, जवाबदेह एवं जनहितकारी बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहा है। कलेक्टर श्री अमृत विकास तोपनो ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि वे शिविर स्थल पर कार्यालयीन समय तक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें तथा आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें।

कलेक्टर तोपनो ने कहा कि सुशासन तिहार केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि शासन और आम जनता के बीच सीधे संवाद, विश्वास और समाधान का सशक्त माध्यम है। शासन की मंशा है कि आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि प्रशासन स्वयं गांवों और शिविर स्थलों तक पहुंचकर उनकी समस्याएं सुने और मौके पर ही निराकरण

की दिशा में प्रभावी कार्रवाई करे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविर में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना जाए। साथ ही आयुष्मान भारत योजना, महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, किसान हितग्राही योजनाएं, बिहान समूह एवं स्वरोजगार योजनाओं सहित शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाई जाए, ताकि पात्र हितग्राही अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि किसी भी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा समय से पूर्व शिविर छोड़ना अथवा जिम्मेदारियों के निर्वहन में लापरवाही बरतना स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने बताया कि विकास खण्ड डभरा अंतर्गत ग्राम जवाली में आयोजित शिविर के दौरान कुछ अधिकारियों द्वारा कार्यालयीन समय से पूर्व शिविर स्थल छोड़ने संबंधी जानकारी प्राप्त हुई है, जिसे जिला प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। कलेक्टर ने चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए निलंबन की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। कलेक्टर ने अधिकारियों से अपेक्षा की है कि वे सुशासन तिहार को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले अभियान के रूप में लेते हुए पूर्ण जवाबदेही और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी केवल औपचारिक उपस्थिति तक सीमित न रहें, बल्कि आमजन से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएं। योजनाओं का लाभ पहुंचाना तथा लोगों में शासन के प्रति विश्वास और संतुष्टि का भाव मजबूत करना है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों और शिकायतों के निराकरण की नियमित समीक्षा की जाएगी तथा कार्य में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

समयसीमा और गुणवत्ता पर फोकसः मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सड़क निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने भटगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सिलफिली-लटोरी मार्ग पर निर्माणाधीन सड़क कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

मंत्री राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि आमजन को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों के पालन और आम नागरिकों को होने वाली असुविधा को न्यूनतम रखने के भी निर्देश दिए।

सुशासन तिहार शिविर में सोमारु और जयसिंह को मिली आवास की चाबी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अब ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद परिवारों तक प्रभावी रूप से पहुंच रहा है। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। इस योजना के माध्यम से अनेक परिवारों का वर्षों पुराना पक्के घर का सपना साकार हो रहा है।

इसी क्रम में गत दिवस कोंडागांव जिले के विकासखंड केशकाल अंतर्गत ग्राम बदवर में जिला स्तरीय सुशासन तिहार शिविर एवं बस्तर मुन्ने अभियान के तहत विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के साथ-साथ विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी पात्र हितग्राहियों को प्रदान किया गया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पूर्ण हो चुके आवासों के हितग्राहियों को पक्के मकान की चाबी सौंपी गई। कुल पांच हितग्राहियों को उनके नए आवास की सौगात मिली। वर्षों से कच्चे और झोपड़ीनुमा मकानों में जीवन व्यतीत कर रहे परिवारों के लिए यह अवसर खुशी से भरा रहा। सोमारू नेताम ने पक्का आवास मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं शासन के प्रति आभार जताया।

सुपोषण की ओर सशक्त कदम, मातृ-शिशु स्वास्थ्य को मिला नया संबल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत प्रदेशभर में जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से आम नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का त्वरित और प्रभावी लाभ मिल रहा है। विशेष रूप से महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित गतिविधियों ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में सकारात्मक प्रभाव डाला है।

इसी क्रम में राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव विकासखंड अंतर्गत ग्राम आसरा में आयोजित शिविर में गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को सुपोषण के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें सुपोषण किट वितरित किए गए। हितग्राही श्रीमती महेश्वरी साहू एवं श्रीमती पुष्पलता साहू

ने किट प्राप्त कर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शासन के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस पहल से माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने में सहायता मिलेगी। राजनांदगाव जिले में पोठ लईका अभियान के तहत पालक चौपालों का आयोजन कर गर्भवती एवं धात्री माताओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार की जानकारी दी जा रही है। शिविरों में सुपोषण कलश के माध्यम से स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों जैसे मुनगा, हरी पत्तेदार सब्जियां, दालें एवं प्रोटीनयुक्त आहार के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इसके साथ ही तिरंगा भोजन की अवधारणा के माध्यम से संतुलित आहार के महत्व को सरल तरीके से समझाया जा रहा है, जिससे आमजन आसानी से इसे अपने दैनिक जीवन में अपना सकें।सुशासन तिहार के इन प्रयासों से प्रदेश में न केवल योजनाओं की पहुंच सुदूर क्षेत्रों तक सुनिश्चित हो रही है, बल्कि जनस्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी तेजी से बढ़ रही है, जो एक स्वस्थ एवं सशक्त छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

पूरन कुमार पंडो दंपति को मिली पांच लाख तक के निःशुल्क इलाज की सौगात...

सुशासन तिहार बना वरदानः आवेदन देते ही हाथों में आ गया आयुष्मान कार्ड

श्रीकंचनपथ समाचार

सूरजपुर। राज्य शासन की मंशा अनुरूप आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और शासकीय योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित हो रहा सुशासन तिहार 2026 ग्रामीण अंचलों के लिए सही मायनों में वरदान सिद्ध हो रहा है।

जिले के विकासखंड के ग्राम पंचायत खड़गवां कला में गुरुवार को आयोजित समाधान शिविर इसका जीवंत उदाहरण बन गया, जब पूरन कुमार पंडो एवं उनकी धर्मपत्नी प्रमिला पंडो को आवेदन प्रस्तुत करते ही शिविर दिवस पर मौके पर ही आयुष्मान कार्ड सौंप दिया गया।

शिविर में पहुंचे पूरन कुमार पंडो ने अपनी पत्नी के साथ बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ लेने के उद्देश्य से आयुष्मान कार्ड हेतु आवेदन प्रस्तुत किया।

प्रशासनिक अमले ने पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता का परिचय देते हुए आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया तत्काल पूरी की और शिविर स्थल पर ही दंपति के नाम से आयुष्मान कार्ड जारी कर उन्हें सम्मानपूर्वक सौंप दिए। अब इस कार्ड के माध्यम से पंडो दंपति प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक के निःशुल्क उपचार की सुविधा का लाभ ले सकेंगे।

पूरन कुमार पंडो ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति विशेष आभार प्रकट करते हुए कहा कि आयुष्मान कार्ड मिलने से अब उनका परिवार चिंता मुक्त होकर बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले सकेगा। बीमारी की स्थिति में पांच लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज कराने की सुविधा गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है।

पहले लगाने पड़ते थे चक्कर, अब सरकार खुद आ रही द्वार

आयुष्मान कार्ड हाथ में आते ही पंडो दंपति की आंखों में संतोष और चेहरे पर मुस्कान की चमक स्पष्ट दिखाई दी। श्री पूरन कुमार पंडो ने भावुक होते हुए कहा कि 'पहले छोटे-छोटे कामों के लिए कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने पड़ते थे, जिससे समय और धन दोनों खर्च होते थे। लेकिन अब सुशासन तिहार के माध्यम से सरकार स्वयं हमारे गांव तक पहुंचकर हमारी समस्याओं का समाधान कर रही है। यह वास्तव में संवेदनशील और जनहितकारी पहल है।'

सुशासन तिहार 2026ः किलकिला शिविर में 7 हितग्राहियों को मिला पेंशन स्वीकृति आदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में आयोजित सुशासन तिहार 2026 के तहत आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के साथ-साथ पात्र हितग्राहियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी मौके पर प्रदान किया जा रहा है इसी क्रम में जशपुर जिले के पत्थलगांव विकासखंड अंतर्गत ग्राम किलकिला में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में 7 पात्र हितग्राहियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन के स्वीकृति आदेश वितरित किए गए। इसके साथ ही एक दिव्यांग हितग्राही को श्रवण यंत्र प्रदान किया गया। जनप्रतिनिधियों ने हितग्राहियों को पेंशन स्वीकृति आदेश और

सहायक सामग्री वितरित करते हुए शासन की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। लाभ प्राप्त करने वाले हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। सुशासन तिहार के माध्यम से प्रशासन गांव-गांव पहुंचकर नागरिकों की समस्याएं सुन रहा है और उनका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित कर रहा है। साथ ही जरूरतमंदों को योजनाओं का लाभ मौके पर उपलब्ध कराकर शासन की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को साकार किया जा रहा है।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बैन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

खेलते-खेलते टूट गई जिंदगी, घर के सामने गिरी बिजली, किशोर की मौत

बिलासपुर। बिलासपुर के कोनी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम निरतू के घासीपूंजी इलाके में शनिवार शाम अचानक बदले मौसम ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। आकाशीय बिजली गिरने से 13 वर्षीय दीपक पटेल की मौत हो गई, जबकि एक अन्य बच्चा घायल हो गया। जानकारी के अनुसार दीपक पटेल, पिता राजेश पटेल, अपने घर के सामने बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान मौसम अचानक बिगड़ गया और तेज गर्जना के बीच बिजली आ गिरी। बिजली की चपेट में दीपक समेत दो बच्चे आ गए। घटना इतनी अचानक हुई कि आसपास मौजूद लोग कुछ समझ ही नहीं पाए। घटना के बाद परिजन और ग्रामीण तत्काल दोनों बच्चों को उपचार के लिए सिम्स अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दीपक को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे घायल बच्चे का इलाज किया गया। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत अब सामान्य है। बताया जा रहा है कि हादसा हरि पटेल का घर के पास हुआ। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। रविवार को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद दीपक का शव परिजनों को सौंप दिया गया।

नशे के विरुद्ध दुर्ग पुलिस की लगातार कार्यवाही जारी

दुर्ग। दिनांक 10.05.2026 को थाना अण्डा पुलिस को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम अछोटी स्थित राजा तालाब के पास एक व्यक्ति सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी में अवैध शराब रखकर बिक्री हेतु ग्राहकों की तलाश कर रहा है। सूचना पर थाना अण्डा पुलिस द्वारा तत्काल हमराह स्टाफ एवं गवाहों के साथ मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। घेराबंदी के दौरान संदिग्ध व्यक्ति को पकड़कर पूछताछ की गई, जिसने अपना नाम पूना राम देशमुख, उम्र 35 वर्ष, निवासी भाठापारा, ग्राम अछोटी थाना अण्डा जिला दुर्ग बताया। आरोपी के कब्जे से एक सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी में रखे 31 पौवा देशी मसाला शराब, प्रत्येक 180 एमएल, कुल 5.58 बल्क लीटर शराब बरामद की गई। जप्त शराब की कुल कीमत 3,100 रुपये आंकी गई।मामले में अपराध क्रमांक 50/2026 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

नशे की भूख में शहरभर से उड़ाईं गाड़ियां, रायपुर का सीरियल वाहन चोर गिरफ्तार

रायपुर। सड़कों से लगातार गायब हो रही गाड़ियों के पीछे आखिरकार उस शातिर चेहरे का खुलासा हो गया जो नशे की लत पूरी करने के लिए सुनसान इलाकों में खड़ी गाड़ियों का लॉक तोड़कर मिनटों में वाहन पार कर देता था। थाना आजाद चौक पुलिस ने गश्त के दौरान आदतन वाहन चोर भुवन सारथी को धर दबोचा और पूछताछ में ऐसे खुलासे हुए जिसने पुलिस को भी चौंका दिया। आरोपी ने कबूल किया कि वह शहरभर में अकेले घूमकर सुनसान जगहों की रेकी करता था और मौका मिलते ही मोटरसाइकिल और एक्टिवा चोरी कर फरार हो जाता था। पकड़ा गया आरोपी भुवन सारथी पिता स्वर्गीय बृजभान सारथी उम्र 22 वर्ष निवासी कुशालपुर छुहियापारा रायपुर का रहने वाला है और उसके खिलाफ पहले से चोरी और आबकारी एक्ट के आधा दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपी की निशानदेही पर थाना आजाद चौक के अपराध क्रमांक 88/2026 में चोरी गई मोटरसाइकिल सीजी 04 केएफ 9994 और थाना मौदहापारा के अपराध क्रमांक 83/2026 की चोरी गई एक्टिवा सीजी 04 एलव्ही 5957 बरामद की गई। आरोपी के कब्जे से चार चोरी की साइकिल और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है जिनके संबंध में पुलिस अब गहराई से जांच कर रही है।

नो पार्किंग पर दुर्ग पुलिस की सख्ती: इस साल अब तक 25 सौ से ज्यादा वाहन चालकों पर कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सड़क में बाधा उत्पन्न करने वाले वाहन चालकों एवं अव्यवस्थित ठेला संचालकों पर यातायात पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इस साल अब तक 2529 वाहनों पर नो पार्किंग कार्रवाई की गई। इस दौरान अनावश्यक दुर्घटनाओं की रोकथाम, आम नागरिकों की सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने हेतु विशेष अभियान चलाया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यातायात बाधित करने वाले वाहन चालकों एवं सड़क अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा अनावश्यक सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, आम नागरिकों की सुरक्षा एवं सड़क पर आवागमन करने वाले लोगों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए शहर में विशेष यातायात अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है। अभियान का उद्देश्य सड़क पर अव्यवस्थित पार्किंग एवं अतिक्रमण के कारण उत्पन्न होने वाली जाम एवं दुर्घटना जैसी स्थितियों को रोकना है।

इसी कड़ी में रविवार को सुपेला संडे मार्केट क्षेत्र में विशेष यातायात व्यवस्था अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सड़क पर अव्यवस्थित रूप से ठेला एवं दुकान लगाने वाले संचालकों को सड़क खाली कराकर रोड किनारे उपलब्ध स्थान पर व्यवस्थित रूप से व्यवसाय करने निर्देशित किया गया, जिससे आम नागरिकों एवं वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना न करना पड़े।

इसी क्रम में बीती रात्रि इंदिरा मार्केट एवं सिविक सेंटर क्षेत्र में सफेद लाइन के बाहर वाहन खड़ा कर यातायात बाधित करने वाले कुल 58 दोपहिया एवं चारपहिया वाहन चालकों पर नो पार्किंग धाराओं के तहत ई-चालान की कार्यवाही की गई। वर्ष 2026 में अब तक कुल 2529 वाहन चालकों पर नो पार्किंग की कार्यवाही की जा चुकी है। उक्त कार्यवाही में यातायात पुलिस दुर्ग के अधिकारी एवं यातायात ड्यूटी में तैनात जवानों की सक्रिय एवं सराहनीय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों एवं वाहन चालकों से अपील करती है कि यातायात नियमों का पालन करें, निर्धारित पार्किंग स्थल का उपयोग करें तथा सड़क पर अतिक्रमण एवं अव्यवस्थित वाहन पार्किंग से बचें, जिससे सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

भिलाई में लाखों की चोरी : थाने के पीछे चोरों ने की सेंधमारी, शादी में गया था पूरा परिवार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के सुपेला थाना क्षेत्र में बीती रात लाखों की चोरी का मामला सामने आया है। राधिका नगर जो कि थाने के पीछे बसा हुआ है और वहीं पर चोरों ने सेंधमारी की। शनिवार की रात को पूरा परिवार शादी में शामिल होने गया और इधर इतनी बड़ी वारदात हो गई। परिवार शादी से लौटा तो चोरी का खुलासा हुआ। जानकारी मिलने के बाद सुपेला पुलिस पहुंची। फिलहाल जांच की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार जिस घर में चोरी हुई वह रेलवे में लोको पायलट त्रिलोकी नाथ का है। त्रिलोकी नाथ शनिवार की रात घर पर लॉक लगाकर खुर्सीपार अपने रिश्तेदार की शादी में शामिल होने गए थे। देर रात लौटे और घर के भीतर गए तो पीछे का दरवाजा खुला मिला। घर के भीतर कमरे में अलमारी खुली थी और उसमें से कीमती सामान गायब था। चोर घर से सोने-चांदी के जेवर, करीब 1 लाख रुपए कैश और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। घर वालों का कहना है कि चोर लगभग 7 से 8 लाख रुपए का सामान ले गए। घटना की सूचना मिलने के बाद रात को ही पुलिस पहुंची तो जांच शुरू की। घर के बाहर सीसी टीवी कैमरा लगा है लेकिन वह भी बंद मिला। परिवार के लोगों ने बताया कि जल्दबाजी में स्विच बंद हो गया होगा। रविवार को सुबह भी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच आगे बढ़ाया। आसपास के लोगों से भी पुलिस पूछताछ कर रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि परिवार कुछ घंटों के लिए घर से बाहर गया और चोरी हो गई। पुलिस को आशंका है कि चोरों ने रेकी कर वारदात को अंजाम दिया।

गर्लफ्रेंड से बातचीत बना खूनी विवाद, रायपुर में युवक पर चाकू से जानलेवा हमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रामकुंड इलाके में गर्लफ्रेंड से बातचीत को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते खूनी हमले में बदल गया और बीच सड़क पर युवक पर बटनदार चाकू से जानलेवा हमला कर दिया गया।

वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई लेकिन पश्चिम जोन पुलिस ने तेजी दिखाते हुए आरोपी को महज 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। मामला 8 मई की शाम का है जब आरोपी समीर निर्मलकर ने पुरानी रंजिश और गर्लफ्रेंड से बात करने की बात को लेकर युवक आदि ठाकुर को घेर लिया। पहले दोनों के बीच जमकर गाली-गलौज हुई फिर अचानक आरोपी ने बटनदार चाकू निकालकर सीधे पेट पर वार करने की कोशिश की। युवक ने बचाव किया लेकिन चाकू उसके कूल्हे में जा धंसा जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया और इलाके में दहशत फैल गई। मामले की जानकारी मिलते ही थाना आजाद चौक पुलिस सक्रिय हुई और पुलिस उपायुक्त संदीप पटेल, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा और सहायक पुलिस उपायुक्त ईशू अग्रवाल के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने तकनीकी इनपुट,

मुखबिर सूचना और लगातार दबिश देकर आरोपी समीर निर्मलकर पिता शंशीकांत निर्मलकर उम्र 18 वर्ष निवासी रामकुंड रायपुर को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल बटनदार चाकू भी बरामद किया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 109, 296, 351(2), 115(2) बीएनएस और आर्म्स एक्ट की धारा 25 एवं 27 के तहत कार्रवाई की है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। फिलहाल इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि छोटी कहासुनी और रिश्तों का विवाद अब युवाओं में सीधे खूनी हिंसा का रूप ले रहा है और जरा सी सनक किसी की जान पर भारी पड़ सकती है।

मोबाइल से चल रहा था लाखों का सट्टा साम्राज्य, रायपुर में मास्टर पैनल ऑपरेटर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे का ऐसा काला खेल चल रहा था जहां मोबाइल की स्क्रीन के पीछे बैठकर रोज लाखों रुपये का अवैध कारोबार ऑपरेट किया जा रहा था, लेकिन कबीर नगर पुलिस की टेक्निकल जांच ने आखिरकार पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने पहले ऑनलाइन सट्टा चला रहे आकाश टांडी और मोहम्मद आरिफ को रंगेहाथ गिरफ्तार किया था जिनके कब्जे से 4 लाख 97 हजार रुपये नगद और 4 मोबाइल फोन जब्त किए गए थे।

शुरुआत में मामला सिर्फ ऑनलाइन बेटिंग तक सीमित दिख रहा था लेकिन मोबाइल के फोरेंसिक विश्लेषण और पूछताछ में ऐसा खुलासा हुआ जिसने पुलिस को सीधे बड़े सट्टा सिंडिकेट तक पहुंचा दिया। जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी रायपुर के मास्टर पैनल ऑपरेटर लोकेश अग्रवाल से सट्टा आईडी लेकर काम कर रहे थे और उसी के नेटवर्क के जरिए ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित किया जा रहा था। इसके बाद थाना कबीर नगर पुलिस ने टेक्निकल इंटेलिजेंस, लोकेशन ट्रैकिंग और लगातार निगरानी के बाद फरार आरोपी लोकेश अग्रवाल पिता स्वर्गीय तुलसी प्रसाद अग्रवाल उम्र 31 वर्ष निवासी रामसागरपारा रायपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से दो स्मार्टफोन

जब्त किए जिनमें कई अहम डिजिटल सबूत मिले हैं। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी **all-panal777.no2** सहित कई ऑनलाइन सट्टा वेबसाइट्स का मास्टर पैनल चला रहा था और साथ ही सट्टा मटका भी ऑपरेट कर रहा था। रायपुर समेत आसपास के जिलों में उसका बड़ा नेटवर्क फैला हुआ था जहां हर दिन लाखों रुपये का अवैध लेनदेन हो रहा था।

पुलिस अब बैंक खातों, ट्रांजेक्शन डिटेल और डिजिटल नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है ताकि इस पूरे सिंडिकेट से जुड़े अन्य लोगों तक भी पहुंचा जा सके। पुलिस कार्रवाई के बाद तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। फिलहाल रायपुर पुलिस की इस कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि अब ऑनलाइन सट्टे का डिजिटल खेल भी पुलिस की नजरों से बच नहीं पाएगा और मोबाइल के पीछे बैठकर करोड़ों का नेटवर्क चलाने वालों की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है।

कमोदा बिहार रिसार्ट के अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा। अंबिकापुर के कमोदा बिहार रिसॉर्ट में करीब 45 डिसमिल सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को प्रशासन ने हटा दिया है। सोमवार सुबह बुलडोजर लेकर पहुंची प्रशासनिक टीम ने विरोध के बीच कार्रवाई करते हुए बेजा कब्जा कर बनाए गए शेड और बाउंड्री को तोड़ दिया।

कमोदा बिहार रिसार्ट से लगी सरकारी जमीन पर संचालक ने कब्जा कर शेड और बाउंड्री का निर्माण कराया था। जिसका वो इस्तेमाल कर रहे थे। नापजोख में 45 डिसमिल जमीन पर बेजा कब्जा पाया गया। शनिवार को प्रशासनिक कार्रवाई का विरोध करते हुए संचालकों ने दो दिन की मोहलत मांगी थी। हंगामे के बाद टीम लौट गई थी।

प्रशासनिक टीम और पुलिस की टीम सोमवार सुबह 5.30 बजे ही कार्रवाई के लिए पहुंची। एसडीएम वन सिंह नेताम ने बताया कि, शनिवार को सरकारी जमीन की मार्किंग पूरी कर ली गई थी। संचालकों ने दो दिनों का समय कब्जा हटाने के लिए मांगा था, लेकिन उन्होंने खुद कब्जा नहीं हटाया। प्रशासनिक टीम ने बुलडोजर चलाकर कमोदा रिसार्ट के बड़े शेड को तोड़ दिया। इसके साथ ही दूसरे व्यक्ति द्वारा कब्जा कर बनाए गए कमरों को भी प्रशासनिक टीम ने तोड़कर कब्जा हटा दिया है। करीब 65 डिसमिल जमीन से अवैध कब्जा हटा दिया गया है। कब्जा हटाने के दौरान संचालकों ने फिर से प्रशासनिक टीम से विवाद की कोशिश की, लेकिन इस बार प्रशासनिक टीम पूरी तैयारी से पहुंची थी और उसने संचालकों की नहीं सुनीं। प्रशासनिक टीम ने करीब चार घंटे में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पूरी की और मलबों को भी हटाया जा रहा है।

एसडीएम वन सिंह नेताम ने बताया कि, उक्त सरकारी जमीन पर अतिक्रमण का मामला अंबिकापुर तहसीलदार न्यायालय में चला। जांच में अतिक्रमण सही पाया गया। इसके बाद धारा 248 के तहत रिसॉर्ट संचालक को बेदखली का नोटिस जारी किया गया था। साथ ही दो दिन पहले ही उसे कब्जा हटाने के लिए भी नोटिस दिया गया था।

शनिवार को मार्किंग की कार्रवाई पूरी नहीं होने के कारण कार्रवाई रोकी गई थी। मार्किंग पूरी हो जाने के बाद आज कार्रवाई पूरी की गई। एसडीएम ने कहा कि सरकारी जमीन पर दोबारा कब्जा न हो, इसके लिए उक्त जमीन को सरकारी इस्तेमाल में लाया जाएगा। यहां आंगनबाड़ी सहित दूसरे सरकारी उपयोग के लिए जमीन को आबंटित की जाएगी।

लिव-इन में रहने के बाद शादी से मुकरा बॉयफ्रेंड, पुलिस ने किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोपी युवक युवती को दिल्ली ले गया और करीब दो साल तक किराए के मकान में अपने साथ रखकर शारीरिक संबंध बनाता रहा। बाद में शादी से इनकार कर दिया। अब शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

दरअसल, मामला महिला थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक बिलासपुर निवासी 27 वर्षीय युवती ने शुक्रवार को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि, साल 2017 में उसकी पहचान जूटमिल थाना क्षेत्र के बाजीनपाली फ्टहामुड़ा निवासी अकबर अली (27) से मोबाइल के जरिए हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और आरोपी शादी का भरोसा देने लगा।

पीड़िता के अनुसार, 22 अगस्त 2022 को आरोपी ने उसे रायगढ़ बुलाया। यहां अपने दोस्त के घर ले जाकर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद साल 2023 में आरोपी युवती को बहला-फुसलाकर दिल्ली ले गया। वहां किराए के मकान में दोनों साथ लिव-इन में रहने लगे। युवती का आरोप है कि, शादी का भरोसा देकर आरोपी लगातार उसके साथ दुष्कर्म करता रहा।

पीड़िता ने बताया कि, फरवरी 2026 में आरोपी ने अचानक शादी से इनकार कर दिया और उसे दिल्ली में छोड़कर अकेले रायगढ़ लौट आया। इसके बाद युवती लगातार उससे संपर्क करती रही, लेकिन आरोपी टालमटोल करता रहा। बाद में उसने साफ तौर पर शादी करने से मना कर दिया। इसके बाद पीड़िता रायगढ़ महिला थाना पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की और उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने मामले में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के खिलाफ एट्रोसिटी एक्ट की धारा 3(2)(अ) भी जोड़ी है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। एसएसपी शशि मोहन सिंह ने कहा कि, महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि पीड़ित महिलाएं बिना डरे पुलिस से शिकायत करें, हर मामले में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई होगी।

खोमचे की आड़ में शराब बिक्री, गिरफ्तार

धमतरी। शराब भट्ठी के ठीक बगल में खोमचे से खुलेआम चल रहे अवैध शराब कारोबार पर धमतरी पुलिस ने ऐसा शिकंजा कसा कि इलाके में हड़कंप मच गया, रूद्री पुलिस की ताबड़तोड़ रेड में 51 पौवा देशी प्लेन शराब, बिक्री रकम और अवैध कारोबार का पूरा खेल मौके पर ही पकड़ लिया गया। धमतरी पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिलेभर में अवैध शराब, मादक पदार्थ, जुआ-सट्टा और संदिग्ध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे सघन अभियान के बीच थाना रूद्री पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम सोरम स्थित शराब भट्ठी के पास बने एक खोमचे में चोरी-छिपे देशी प्लेन शराब बेची जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बिना देर किए मौके पर दबिश दी।

कलिबेश्वर महादेव मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री साय, कहा- परम्पराओं को जीवंत रखते हैं मंदिर

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने जशपुर प्रवास के दौरान विकासखंड कुनकुरी के ग्राम कलिबा में नवनिर्मित कलिबेश्वर महादेव मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय भी उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने यज्ञमंडप में हरिनाम संकीर्तन करते हुए परिक्रमा की तथा यज्ञशाला में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। उन्होंने मंदिर निर्माण को क्षेत्र की आस्था, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक एकजुटता से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य बताते हुए सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति सेवा, सद्भाव, सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश देती है। मंदिर केवल आस्था का केंद्र नहीं होते, बल्कि समाज को जोड़ने तथा संस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का सशक्त माध्यम भी हैं। ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने का कार्य करते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्रामवासियों को नवनिर्मित मंदिर के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए ग्राम कलिबा में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 25 लाख रुपये की घोषणा की। साथ ही हनुमान टेकरी में सामुदायिक भवन तथा सूर्य नमस्कार की मुद्राओं की प्रतिकृति निर्माण की घोषणा भी की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने 28 माह के कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अधिकांश गारंटियों को तेजी से लागू किया है। उन्होंने बताया कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित महतारी वंदन योजना के अंतर्गत अब तक 27वीं किस्त के रूप में महिलाओं के खातों में 17 हजार 500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ भगवान श्री राम का ननिहाल है और राज्य सरकार रामलला दर्शन योजना के तहत अब तक 42 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को भगवान श्री राम के दर्शन करा चुकी है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से देशभर के 19 प्रमुख तीर्थ स्थलों की यात्रा भी कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रदेशभर में सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही राजस्व प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष राजस्व शिविर भी लगाए गए हैं। उन्होंने लोगों से इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जल्द ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन शुरू की जाएगी, जिसके लिए एक टोल फ्री नंबर जारी किया जाएगा। इस माध्यम से नागरिक अपनी समस्याएं दर्ज करा सकेंगे तथा निर्धारित समय-सीमा में उनके समाधान की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। समय पर समाधान नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई भी की जाएगी। बिजली बिल भुगतान समाधान योजना के अंतर्गत प्रदेशभर में शिविर लगाकर लोगों की समस्याओं का निराकरण किया जाएगा तथा 757 करोड़ रुपये के बिजली बिल माफ किए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से योजना का लाभ लेने के लिए पंजीयन कराने की अपील की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 515 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) का शुभारंभ किया गया है। इसके साथ ही प्रदेश में सहकारी समितियों की संख्या बढ़कर 2573 हो गई है। अब पैक्स समितियां बहुउद्देशीय सोसायटी के रूप में कार्य करेंगी, जिससे किसानों को खाद, बीज और अल्पकालीन ऋण जैसी सुविधाएं गांव के नजदीक ही उपलब्ध हो सकेंगी तथा धान खरीदी प्रक्रिया भी अधिक सरल और सुविधाजनक बनेगी।

इस अवसर पर पद्मश्री जागेश्वर यादव, छत्तीसगढ़ माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष शंभूनाथ चक्रवर्ती, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, मंदिर समिति अध्यक्ष उपेंद्र यादव, जनपद अध्यक्ष सुशीला साय, पूर्व संसदीय सचिव भरत साय, जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी मौजूद थे।

जलेश्वर महादेव धाम में मुख्यमंत्री साय ने किया जलाभिषेक

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कबीरधाम जिले के पंडरिया विकासखंड अंतर्गत डोंगरिया गांव पहुंचे, जहां उन्होंने प्रसिद्ध जलेश्वर महादेव धाम में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर जलाभिषेक किया। श्री साय ने भगवान भोलेनाथ से प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, विधायक पंडरिया भावना बोहरा, विधायक तखतपुर धर्मजीत सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि, समाज के पदाधिकारी और श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराएं हमारी पहचान हैं। ऐसे पवित्र धाम केवल आस्था के केंद्र नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने वाले प्रेरणा स्थल भी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं के विस्तार हेतु कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। उन्होंने क्षीरपानी जलाशय मध्यम परियोजना अंतर्गत 50 करोड़ की लागत से नहर विस्तारीकरण कार्य कराने की घोषणा की। इस परियोजना से लगभग 1100 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का विस्तार होगा और किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने जलेश्वर महादेव धाम के विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए 50 लाख रुपये स्वीकृत करने की घोषणा भी की। साथ ही उन्होंने खरहट्टा से डोंगरिया तक लगभग 2.5 किलोमीटर सड़क के उन्नयन कार्य की घोषणा करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र में आवागमन अधिक सुगम और सुविधाजनक होगा।

उल्लेखनीय है कि कबीरधाम जिले के डोंगरिया गांव स्थित जलेश्वर महादेव धाम स्थानीय श्रद्धालुओं के बीच अत्यंत पूजनीय स्थल के रूप में प्रसिद्ध है। मान्यता है कि यहां स्थित शिवलिंग प्राकृतिक रूप से प्रकट हुआ है। प्राकृतिक सौंदर्य से घिरा यह शिवधाम विशेष रूप से सावन माह, सावन सोमवार और महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बन जाता है। पहाड़ी और नदी-घाट के रमणीय वातावरण में स्थित यह धाम शिवभक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा के लिए विशेष पहचान रखता है।

देश की प्रगति एवं राष्ट्रीय एकता में क्षत्रिय कुर्मी समाज का योगदान अविस्मरणीय : साय

श्रीकंचनपथ समाचार

कबीरधाम। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जिले के डोंगरिया में आयोजित अखिल भारतीय क्षत्रिय कुर्मी समाज के प्रदेश स्तरीय सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में शामिल हुए। उन्होंने समाज की एकता, संगठन, सामाजिक चेतना तथा देश और प्रदेश के विकास में कुर्मी समाज के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि एक संगठित और सशक्त समाज ही मजबूत राष्ट्र की आधारशिला होता है। श्री साय ने क्षेत्रवासियों को सिंचाई, सड़क और धार्मिक पर्यटन से जुड़े महत्वपूर्ण विकास कार्यों की सौगात भी दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कुर्मी समाज का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। छत्रपति शिवाजी महाराज और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जैसी महान विभूतियों ने देश की एकता, सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। कुर्मी समाज मेहनतकश, प्रगतिशील और जागरूक समाज है, जिसने खेती-किसानी से लेकर शिक्षा, प्रशासन और सामाजिक नेतृत्व तक हर क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण के नए दौर से गुजर रहा है। अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर निर्माण करोड़ों देशवासियों की आस्था का प्रतीक बना है। प्रदेश सरकार रामलला दर्शन योजना के माध्यम से श्रद्धालुओं को अयोध्या दर्शन करा रही है तथा अब तक लगभग 42 हजार श्रद्धालु इसका लाभ ले चुके हैं। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना को भी पुनः प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों को देश के 19 प्रमुख तीर्थ स्थलों की यात्रा कराई जा रही है।

श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में मोदी की गारंटी को धरातल पर उतारने का कार्य किया है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत अब तक 27 किश्तों का भुगतान किया जा चुका है। प्रदेश में 10 हजार 500 करोड़ रुपये की सिंचाई परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। रेलवे अधोसंरचना के विस्तार और आधुनिकीकरण पर भी तेजी से कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाने के लिए विजन डॉक्यूमेंट तैयार कर योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। प्रदेश की पांच प्रमुख शक्ति पीठों को विकसित कर धार्मिक और सांस्कृतिक कॉरिडोर के माध्यम से जोड़ने की दिशा में भी सरकार कार्य कर रही है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकता और संगठन में निहित होती है। उन्होंने कहा कि जिस समाज के प्रेरणास्रोत छत्रपति शिवाजी और सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे महानायक हों, वह स्वाभाविक रूप से गौरवशाली और प्रगतिशील बनता है।

सुशासन : मुख्यमंत्री साय ने मुंगेली को दी 353 करोड़ रुपए की 414 विकासकार्यों की सौगात

श्रीकंचनपथ समाचार

मुंगेली। प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आज मुंगेली जिला विकास, जनकल्याण और सुशासन के एक ऐतिहासिक अध्याय का साक्षी बना। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जिला मुख्यालय स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल होकर जिले को 353 करोड़ 58 लाख रुपये से अधिक की लागत वाले 414 विकास कार्यों की सौगात दी।

इनमें 152 करोड़ 02 लाख रुपये से अधिक की लागत के 284 कार्यों का लोकार्पण तथा 201 करोड़ 56 लाख रुपये से अधिक की लागत के 130 कार्यों का शिलान्यास शामिल है। इन कार्यों से जिले में आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और जनसुविधाओं को नई मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम में केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, वाणिज्य एवं उद्योग, तथा जिले के प्रभारी मंत्री लखनलाल देवांगन, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले, तखतपुर विधायक धरमजीत सिंह, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, नगर पालिका अध्यक्ष श्री रोहित शुक्ला सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम के दौरान पुष्प वाटिका एवं चौपाटी, नहर, एनीकट, लाइवलीहुड कॉलेज भवन पहुंच मार्ग, मुंगेली-भटगांव पहुंच मार्ग सहित अनेक सड़क निर्माण कार्यों, महतारी सदनों, छात्रावासों, जल जीवन मिशन के कार्यों, सामुदायिक भवनों, अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों, प्राथमिक शाला भवनों, सांस्कृतिक मंचों, सीसी सड़कों, अमृत सरोवरों तथा आंगनबाड़ी भवनों का लोकार्पण किया। इसके साथ ही विभिन्न ग्रामों में सीसी सड़क, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सड़क मार्ग, एसटीपी निर्माण, तालाब सौंदर्यीकरण, फुटपाथ और पुल निर्माण सहित अनेक विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया गया। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अंतर्गत स्वामी आत्मानंद विद्यालय मोतिमपुर, लालपुरथाना, लोरमी, पथरिया और सरगांव का वर्चुअल लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सुशासन सरकार विकास और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज मुंगेली जिले को मिली विकास कार्यों की यह बड़ी सौगात आने वाले समय में जिले के विकास को नई गति प्रदान करेगी।

सुशासन तिहार में दूर हुई ममता की राशन की चिंता

अम्बिकापुर। जिले के लुण्ड्रा विकासखंड के ग्राम पंचायत घोघरा की रहने वाली ममता पैकरा के लिए यह आयोजन खुशियों की सौगात लेकर आया, जहाँ लंबे समय से लंबित उनके राशन कार्ड का आवेदन न केवल स्वीकार हुआ, बल्कि उन्हें मौके पर ही राशन कार्ड प्रदान कर दिया गया। ममता ने बताया कि राशन कार्ड नहीं होने के कारण उन्हें पिछले काफी समय से राशन जुटाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। उनके तीन छोटे बच्चे हैं, जिनके बेहतर पोषण और परवरिश की चिंता उन्हें हमेशा सताती थी। कार्ड प्राप्त होने के बाद अपनी खुशी साझा करते हुए महिला ने कहा, इतने दिनों से राशन कार्ड नहीं होने से मुझे बहुत तकलीफ हो रही थी। सुशासन तिहार वाकई मेरे लिए समाधान लेकर आया है। आज मुझे राशन कार्ड मिल गया है, अब मैं अपने बच्चों का पालन-पोषण अच्छे से कर सकूंगी। ममता ने बताया कि उन्होंने राशन कार्ड के लिए आवेदन दिया था, जिस पर प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की।

ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान

पेंड्रा में सुरक्षित मिली 500 वर्ष पुरानी दुर्लभ धार्मिक पांडुलिपियां, संयुक्त परिवार भी बनी प्रेरणा का स्रोत

श्रीकंचनपथ समाचार

पेंड्रा। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित 'ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान' के तहत गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है।

सर्वेक्षण दल को पेंड्रा के वार्ड क्रमांक 4 में दो प्रमुख स्थानों से अमूल्य धरोहरें प्राप्त हुई हैं। पंडित मोहन दत्त शर्मा के निवास से हस्तलिखित 500 वर्ष पुरानी अथ श्रीमद्भागवत गीता सहित कई धार्मिक ग्रंथ मिले।

जबकि जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेन्द्र बहादुर सिंह के निवास से लगभग 200 वर्ष पुरानी हस्तलिखित जमींदारी वंशावली तथा पेंड्राराज क्षेत्र के राजस्व एवं वन विभाग से संबंधित ऐतिहासिक नक्शे भी प्राप्त हुए। इन दस्तावेजों को भी डिजिटल तकनीक के माध्यम से संरक्षित किया गया।

कलेक्टर ने राजा उपेन्द्र बहादुर सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शिखा सिंह से पारिवारिक इतिहास, जमींदारी परंपरा और ऐतिहासिक धरोहरों के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि ऐसे दस्तावेज स्थानीय इतिहास और प्रशासनिक संरचना को समझने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन ग्रंथों की भाषा, लेखन शैली और संरक्षण की स्थिति प्राचीन भारतीय विद्या, संस्कृत साहित्य और धार्मिक अध्ययन की समृद्ध परंपरा को दर्शाती है।

धार्मिक पांडुलिपियों के संरक्षण और स्मृति चिह्नीकरण के लिए पंडित मोहन दत्त शर्मा के दस सदस्यीय संयुक्त परिवार के साथ विशेष फोटोग्राफी भी की गई। परिवार में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शशीदेवी शर्मा, पुत्र गिरीश दत्त शर्मा एवं संदीप दत्त शर्मा, पुत्रवधुएं रंजीता शर्मा एवं अमृता शर्मा, पोते वरुण दत्त शर्मा, वेदांत दत्त शर्मा, सारस्वत दत्त शर्मा तथा पोती सौम्या शर्मा शामिल रहे।

मेधावी विद्यार्थियों ने स्टेडियम में देखा आईपीएल

- प्रावीण्य सूची में स्थान बनाने वाले विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का विशेष तोहफा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और उनके सपनों को नई ऊर्जा देने की दिशा में लगातार नवाचारपूर्ण पहल कर रही है। इसी क्रम में आज राजधानी रायपुर में आयोजित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच का रोमांच प्रदेश के उन मेधावी विद्यार्थियों ने भी महसूस किया, जिन्होंने दसवीं और बारहवीं की प्रावीण्य सूची में स्थान बनाकर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है।

राज्य शासन की विशेष पहल पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित 18 प्रतिभावान विद्यार्थी नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पहुंचे, जहां उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच खेले जा रहे हाई-वोल्टेज मुकाबले का आनंद लिया।मेधावी विद्यार्थियों के लिए यह अवसर केवल एक क्रिकेट मैच देखने तक सीमित नहीं था, बल्कि यह उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन का सम्मान और उनके आत्मविश्वास को नई उड़ान देने का प्रेरक प्रयास भी था।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का मानना है कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ऐसे अवसर प्रदान किए जाने चाहिए, जिससे वे अपने सपनों को और बड़े स्तर पर देखने के लिए प्रेरित हों। राज्य सरकार शिक्षा, खेल और युवा प्रतिभाओं के प्रोत्साहन के लिए लगातार संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

नवा रायपुर स्थित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की भव्यता और आईपीएल मैच के रोमांचक माहौल ने विद्यार्थियों को बेहद उत्साहित कर दिया। अधिकांश विद्यार्थियों के लिए यह पहला अवसर था, जब वे किसी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में लाइव मैच देखने पहुंचे थे। स्टेडियम की आकर्षक रोशनी, हजारों दर्शकों का उत्साह, खिलाड़ियों की ऊर्जा और पूरे आयोजन का जीवंत वातावरण बच्चों के लिए किसी सपने से कम नहीं था। कई विद्यार्थी पहली बार इतने बड़े खेल आयोजन का हिस्सा बनकर अभिभूत नजर आए।

हायर सेकेंडरी परीक्षा की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सरस्वती शिशु मंदिर, पलारी के छात्र जिज्ञासु वर्मा ने कहा कि उन्हें बचपन से क्रिकेट का विशेष शौक रहा है। अब तक वे टीवी पर ही आईपीएल मैच देखा करते थे, लेकिन आज पहली बार इतने विशाल स्टेडियम में लाइव मैच देखने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन का सबसे रोमांचक और अविस्मरणीय क्षण है। जिज्ञासु ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल ने उनके उत्साह और आत्मविश्वास को नई ऊर्जा दी है।

इसी प्रकार कांकेर जिले के स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, नरहरपुर के छात्र एवं बारहवीं की प्रावीण्य सूची में दसवां स्थान प्राप्त करने वाले यश खोबरागड़े ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को सामने खेलते देखने की उनकी लंबे समय से इच्छा थी, जो आज पूरी हो गई। उन्होंने कहा कि स्टेडियम का माहौल, दर्शकों का जोश और खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहद अद्भुत अनुभव रहा। यश ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय की यह पहल विद्यार्थियों के मनोबल को बढ़ाने वाली और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने वाली है।

लुण्ड्रा में मिली दुर्लभ ताड़पत्र पांडुलिपियां, 78 वर्षीय साधु शाह वर्षों से कर रहे संरक्षण

अम्बिकापुर। पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान के अंतर्गत लुण्ड्रा विकासखंड के ग्राम दोरना में 78 वर्षीय साधु शाह के निवास पर दुर्लभ ताड़पत्र पांडुलिपियों का संग्रह मिला। उन्होंने अपने पूजाघर में सुरक्षित रखी पांडुलिपियों के दो बड़े बंडल प्रस्तुत किए। इनमें एक बंडल कार्तिक महात्म्य तथा दूसरा रामायण के बालकाण्ड एवं अयोध्या कांड से संबंधित था। साधु शाह ने बताया कि उनके पिता स्वर्गीय वृंदावन शाह इन पांडुलिपियों का नियमित पाठ किया करते थे।

ताड़पत्र पांडुलिपियों की विशेषता यह है कि इनमें स्याही का प्रयोग नहीं किया जाता। अक्षरों को लोहे की नुकीली कलम से ताड़पत्र पर उकेरा जाता है, जिससे लेखन लंबे समय तक सुरक्षित बना रहता है। पांडुलिपियां अत्यंत पुरानी होने के कारण अब धुंधली हो चुकी हैं। पढ़ने समय अक्षरों पर हल्दी मल देने से अक्षर स्पष्ट दिखाई देने लगते हैं। साधु शाह के पास वैद्यकी से संबंधित कई महत्वपूर्ण पांडुलिपियां भी थीं, जिन्हें दीमकों ने नष्ट कर दिया। साधु शाह स्वयं भी पारंपरिक वैद्य हैं। पांडुलिपियों की जानकारी को डिजिटल रूप से अपलोड करने का कार्य अजित कंवर द्वारा किया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950